## Bulletin

of the

## Ontario Hospitals for the Insane

A Journal Devoted<br>to the interests of<br>Psychiatry in Ontario

Printed by Order of the Legislative Assembly.


For the Drpartment of the Provincial Secretary.

Printod by l. K. Cameron, Printer to the King's Most Excellent Majesty.

provinclal secretary's department, ontario
Comparisons, Appropriations, Expenditures, Consumptions, Population, Revenue for the 12 months ending Oct. 31, 1910 brocigilieie cobourg hameton kingaton london allilicu orilla penetang toronto woodstook

Days' residence of Patients, Average number of Patients

| MEDICINES | Appromiation |
| :---: | :---: |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| PROVISIONS | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| Heal' AND LIGH' | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| CLOTHLNG, ETC. | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| LAUNDRY, ETC. | Anpropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| REPAIRS, ETC. | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| OFFICE | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| SALARIES | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| FARM, EITC. | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| MISC. EXPEESS | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| TOTAL, MTCE. | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| CAPITAL ACCTS. | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |
| GRAND TOTAL | Appropriation |
|  | Expenditure |
|  | Consumption |


| 245 | 436 |  | 53 | 160 |  | 425 | 369 |  | 212 | 127 |  | 393 | 868 |  | 1216 | 187 |  | 285 | 987 |  |  | 557 |  | 315 | 246 |  | 56 | 147 |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 072 | 42 |  | 145 | 64 | 1 | 165 | 39 |  | 581 | 10 | 1 | 079 | 09 |  | 592 | 23 |  | 786 | 26 |  | 1360 | 43 |  | 366 | 68 |  | 153 | 82 |
| 1 | 080 |  |  | 200 |  | 1 | 200 |  | 1 | 200 |  | 1 | 200 |  | 1 | 000 |  |  | 500 |  |  | 750 |  | 1 | 200 |  |  | 600. |  |
| 1 | 075 | 23 |  | 124 | 43 |  | 948 | 46 | 1 | 197 | 35 | 1 | 014 | 98 |  | 895 | 64 |  | 435 | 53 |  | 395 | 78 | 1 | 044 | 82 |  | 444 | 30 |
| 1 | 089 | 96 |  | 124 | 43 |  | 953 | 24 | 1 | 197 | 35 | 1 | 014 | 98 |  | 902 | 15 |  | 437 | 28 |  | 395 | 78 | 1 | 081 | 05 |  | 450 | 70 |
| 37 | 000 |  | 7 | 800 |  | 57 | 600 |  | 36 | 000 |  | 51 | 600 |  | 33 | 000 |  | 30 | 500 |  | 18 | 000 |  | 56 | 400 |  | 8 | 500 |  |
| 33 | 957 | 07 | 6 | 550 | 92 | 50 | 155 | 96 | 28 | 500 | 02 | 48 | 532 | 82 | 32 | 280 | 06 | 30 | 055 | 83 | 17 | 466 | 48 | 56 | 375 | 6.4 | 8 | 345 | 98 |
| 31 | 211 | 42 | 5 | $0 \pm 3$ | 37 | 54 | 903 | S 9 | 25 | 954 | 64 | 46 | 846 | 00 | 26 | 104 | 07 | 27 | 736 | 59 | 14 | 852 | 62 | 53 | 033 | 69 | 8 | 201 | 35 |
| 16 | 500 |  | 3 | 800 |  | 25 | 000 |  | 13 | 500 |  | 23 | 000 |  | 11 | 000 |  | 10 | 000 |  | 8 | 300 |  | 18 | 300 |  | 4 | 300 |  |
| 16 | 322 | 01 | 2 | 497 | 50 | 24 | 894 | 45 | 13 | 327 | 48 | 19 | 148 | 24 | 10 | 919 | 14 | 9 | 755 | 34 | 7 | 329 | 62 | 17 | 422 | \$ | 3 | 671 | II |
| 14 | 44.9 | 90 | 2 | 906 | 42 | 23 | 269 | 05 | 9 | 723 | 77 | 19 | 738 | 00 | 10 | 860 | 51 | 8 | 343 | 89 | 5 | 545 | 48 | 17 | 771 | 55 | 4 | 136 | 69 |
| 5 | 700 |  |  | 700 |  | S | 500 |  | 5 | S00 |  | 9 | 800 |  | 5 | 400 |  | 6 | 800 |  | 4 | 800 |  | 4 | 800 |  |  | 900 |  |
| 5 | 501 | 70 |  | 675 | 24 | 7 | 518 | 38 | 5 | 686 | 44 | 9 | 483 | 37 | 5 | 249 | 26 | 6 | 729 | 71 | 3 | 360 | 58 | 4 | 766 | 95 |  | 652 | 77 |
| 4 | 576 | S2 |  | 647 | 8S | 5 | 060 | 13 | 5 | 021 | 21 | 7 | 565 | 47 | 3 | 507 | 78 | 6 | 046 | 65 | 2 | 123 | 94 | 1 | 168 | b2 |  | 306 | 00 |
| 1 | 800 |  |  | 400 |  | 2 | 650 |  | 2 | 160 |  | 3 | 600 |  | 1 | 800 |  | 2 | 500 |  | 1 | 200 |  | 3 | 000 |  |  | 900 |  |
| 1 | 608 | 30 |  | 382 | 99 | 2 | 139 | 83 | 2 | 124 | 56 | 3 | 274 | 30 | 1 | 571 | 77 | 2 | 425 | 45 |  | 721 | 81 | 2 | 993 | 72 |  | 753 | 25 |
| 1 | 798 | 05 |  | 430 | 74 | 2 | 596 | 29 | 2 | 110 | 78 | 3 | 174 | 83 | 1 | 628 | 87 | 2 | 196 | 67 |  | 544 | 06 | 3 | 294 | 48 |  | 683 | 13 |
| 5 | 000 |  |  | 600 |  | 7 | 500 |  | 7 | 000 |  | 9 | 800 |  | $\dot{\sim}$ | 800 |  | 4 | 000 |  | 4 | 000 |  | 7 | 000 |  |  | 750 |  |
| 4 | 994 | 11 |  | 466 | OI | 7 | 499 | 18 | 6 | 280 | 11 | 9 | 544 | 29 | 4 | 023 | 39 | 3 | 985 | 98 | 2 | 689 | 46 | 5 | 908 | 72 |  | 703 | 35 |
| 4 | 268 | 19 |  | 508 | 98 | 7 | 720 | 15 | 5 | 800 | $5 \overline{5}$ | 8 | 820 | 54 | 3 | 610 | 58 | 3 | 642 | 34 | 2 | 205 | 20 | 6 | 081 | 91 |  | 668 | 07 |
| 1 | 000 |  |  | 250 |  | 1 | 400 |  | 1 | 500 |  | 1 | 500 |  | 1 | 000 |  |  | 600 |  |  | 600 |  | 1 | 400 |  |  | 450 |  |
|  | 999 | 51 |  | 231 | 75 | 1 | 270 | 81 | 1 | 472 | 09 | 1 | 435 | 63 |  | 955 | 64. |  | 494 | 53 |  | 428 | 63 | 1 | 399 | 03 |  | 352 | 48 |
| 1 | 075 | 47 |  | 248 | 35 | 1 | 289 | 71 | 1 | 498 | 34 | 1 | 419 | 23 |  | 956 | 14 |  | 507 | 08 |  | 448 | 05 | 1 | 320 | 10 |  | 354 | 33 |
| 35 | 526 |  | 13. | 000 |  | 53 | 277 | 20 | 43 | 533 |  | 57 | 200 |  | 39 | 250 |  | 28 | 767 |  | 24 | 115 |  | 50 | 147 |  | 17 | 936 |  |
| 32 | 859 | 79 | 11 | 192 | 35 | 52 | 830 | 65 | 39 | 844 | 43 | 55 | 429 | 38 | 37 | 625 | 79 | 27 | 045 | 27 | 22 | 479 | 31 | 49 | 523 | 29 | 13 | 558 | 90 |
| 41 | 729 | 64 | 13 | 049 | 00 | 69 | 768 | 06 | 49 | 520 | 24 | 71 | 515 | 42 | 50 | 498 | 50 | 33 | 843 | 04 | 28 | 249 | 50 | 61 | 566 | 15 | 16 | 378 | 17 |
| 5 | 500 |  |  | 300 |  | 7 | 000 |  | 6 | 500 |  | 4 | 800 |  | 4 | 000 |  | 3 | 600 |  | 4 | 500 |  | 7 | 200 |  | 1 | 500 |  |
| 5 | 471 | 30 |  | 117 | 91 | 6 | 969 | 29 | 5 | 817 | 67 | 4 | 762 | 98 | 2 | 349 | 37 | 3 | 136 | 64 | 3 | 932 | 46 | 6 | 782 | 05 | , | 236 | 34 |
| 7 | 133 | 30 |  | 117 | 91 | 10 | 164 | 28 | 7 | 272 | 60 | 10 | 030 | 75 | 4 | 904 | 34 | 3 | 322 | 69 | 4 | 819 | 76 | 6 | 025 | 95 | 2 | 665 | 71 |
| 4 | 000 |  | 1 | 100 |  | 7 | 000 |  | 2 | 000 |  | 1 | 500 |  | 1 | 300 |  | 1 | 200 |  | 2 | 500 |  | 6 | 500 |  | 3 | 500 |  |
| 3 | 591 | 28 | 1 | 099 | 58 | 6 | 385 | 09 | 1 | 319 | ¢9 | 1 | 499 | 76 | 1 | 298 | 36 | 1 | 011 | 45 | 2 | 197 | 07 | 3 | 387 | 01 |  | 818 | 78 |
| 3 | 512 | 83 | 1 | 102 | 04 | 6 | 400 | 16 | 3 | 294 | 96 | 1 | 727 | 96 | 1 | 206 | 29 | 1 | 406 | 08 | 2 | 203 | 17 | 3 | 373 | 99 | 1 | 964 | 61 |
| 113 | 106 |  | 28 | 150 |  | 171 | 127 | 20 | 119 | 193 |  | 164 | 000 |  | 102 | 550 |  | 88 | 467 |  | 68 | 765 |  | 105 | 947 |  | 39 | 336 |  |
| 106 | 380 | 30 | 23 | 338 | 68 | 166 | 612 | 10 | 105 | 629 | 84 | 154 | 125 | 75 | 97 | 168 | 42 | 85 | 075 | 73 | 61 | 001 | 20 | 149 | '603 | 80 | 31 | 537 | 26 |
| 110 | S45 | 58 | 24 | 179 | 12 | 182 | 124 | 96 | 111 | 394 | 44 | 171 | S53 | 24 | 104 | 179 | 23 | 57 | 482 | 31 | 61 | 387 | 56 | 154 | 717 | 39 | 35 | 808 | 79 |
| 16 | 000 |  | 3 | 300 |  | 28 | 800 |  | 23 | 000 |  | 41 | 570 |  | 19 | 600 |  | 14 | 000 |  | 14 | 900 |  | 9 | 000 |  | 6 | 500 |  |
| 15 | 404 | 54 | 2 | 562 | 98 | 16 | 777 | 29 | 21 | 403 | 81 | 10 | 389 | 58 | 18 | 718 | 89 | 5 | 368 | . 08 | 9 | 511 | 85 | 7 | 667 | 03 | 4 | 470 | 49 |
| 129 | 106 |  | 31 | 450 |  | 199 | 927 | 20 | 142 | 193 |  | 205 | 570 |  | 122 | 150 |  | 102 | 467 |  | 83 | 665 |  | 164 | 947 |  | 45 | 836 |  |
| 121 | 784 | 84 | 25 | 901 | 66 | 183 | 389 | 39 | 127 | 033 | 65 | 164 | 515 | 33 | 115 | 887 | 31 | 90 | 443 | 8I | 70 | 513 | 05 | 157 | 270 | 83 | 36 | 007 | 75 |

REVENUE COLLECTIONS From Paying Patients this year to date

From Farm and Misc. this " " $1 \quad 26243$
$\begin{array}{lll}1 & 451 & 71\end{array}$
$\begin{array}{lll}13 & 382 & 42 \\ 13 & 286 & 19\end{array}$
$\begin{array}{llllllllllllllll}591 & 60 & 35 & 966 & 91 & 14 & 527 & 21 & 36 & 002 & \text { 认9 } & 17 & 947 & 27 & 9 & 903\end{array}$
$\begin{array}{llllllllllllllllllllllll} & 966 & 91 & 14 & 527 & 21 & 36 & 002 & 69 & 17 & 347 & 27 & 9 & 903 & 17 & 2 & 506 & 61 & 49 & 952 & 86 & 12 & 259 & 14\end{array}$

 | 116 | 60 | 043 | 18 | 1 | 411 | 23 | 531 | 57 | 1 | 391 | 55 | 1 | 400 | 10 | 1 | 240 | 75 | 1 | 111 | 76 | 1 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 889 | 08 | 521 | 63 | 1 | 339 | 58 | 641 | 06 |  | 865 | 77 |  | 763 | $\frac{5}{2} 7$ |  | 935 | 91 |  | 792 | 72 |  |


rom the above Institutions $\quad \$ 201 \quad 658 \quad 32$

| 1 | 33 | 8 | 58 | 7 | 51 | 9 | 28 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |


| 8 | 62 |
| :---: | :---: |
| 7 | 59 |


| 3 | 95 |
| :--- | :--- |
| 3 | 37 |

285
$16 \quad 20$
$24 \quad 51$
Cents 536
90
$6 \quad 64$
782
200
$14 \quad 23$
2632

## Builetin

of tile

# Ontario Hospitals for the Insane 

A Journal Devoted<br>to the interests of<br>Psychicatry in Ontario

Printed by Order of the Legislative Asserably


For the Departmest of the Pbovinclal Sheretary.

[^0]
## TABLE (OF CONTENTS.

P.IGE
Hospital Accounting. By Hon. W. J. Hanna, Pro- vincial Secreta ${ }^{-y}$ ..... 3
Industrial Activities at a Hospital for Insane. By V. J. Robinson, M.I. ..... 8
A Case of Acute Confusional Insanity. By Dr. J. Webster ..... 29
Hydrotherapy in the Treatment of Insane. By J. C. Mitchell, M.D. ..... 35
Notes of a Visit to Sume European Hospitals for Insanc. By H. Clare, ML.D. and E. F. Young, M.B. ..... 58
A Clinic for Nervous and Mental Diseases. By C. K. Clarke, II.B. ..... 73
A Casc of Mild Paranoia, Terminating in Practical Recovery. By F. S. Vrooman, M.B. ..... 77
Diet and Dyspepsia. By Alcxander Johnston, Fort Wayne, Ind. ..... 83

## The Bulletin

(1): TIII:

# Ontario Hospitals for the Insane 

A Journal Devoted to the Intercsts of Psychiatry in Ontario.

HOSPITML ACCOUNTING.

By Hon. W. J. Hinvi.

Provincial Secretary
Upwards of four years ago we set about installing an Accounting System, including a Quarterly Statement that would keep the Department in close touch with its revenues and expenditures, and would also show the comparative cost of maintenance in each institution. The result was a complete reorganization of the Accounting System, and the regular issue of a quarterly Spread-sheet. a copy of which for the final quarter of igro. ending on the 3 rist of October last and showing results for the year, is appended hereto.

The accounting ior the ten institutions shown on the Spread-sheet is done in the Department at Toronto. The requisitions for purchases are all approved of by the Inspector and Chicf Accountant before the expenditure is made by the Bursars. Upon the reccipt of invoices semi-weekly, they are classified at the Department, and thus uniformity of classification is secured, as well as prompt audit and payment. All goods purchased must go to the Storekeeper at each Hospital, and can be drawn from the store only by requisition duly approved by the Superintendent. These requisitions are made in duplicate, one copy being forwarded to the Department where monthly summaries are compiled so as to show actual consumption of all supplies. The same rule applics to all deliveries of produce from the institutional farm or
gatelen. Wt the end of each three months there is a complete statement propared of Receipts, Expenditure and Connmmption. 'The results are extended on the Spreadsheet to show cost of maintenance per capita per day. Copies of this statement are distributed to the officers and emplovere in the institutions concerned in making the expenditures involved or in collecting the revenues.

The Spread-sheet is said hy those who have had opportumity of making comparison with what is being done here and abroad to be the very best thing of the kind that has come to their notice. It has certainly brought about a miform method, so that now each Fospital can compare its own results with those of other institutions, and thas learn lessons in costs and cconomy from the experience of one another. ( One of the most prominent American hospital officials, in a recent letter, said: "I wish we might have such reports in the United States; then figures would mean something, for they would be based on the same system of figuring."

A brief study of the Spread-sheet for the fiscal year just closed may be of interest. The record of each institution is given for the year, and it is at the same time compared with its own record for the year 1909, together with a record of every other institution for those two years under the same heading. and all carried out to two decimal points of a cent per capita per day. It will be noted that the heavy-faced type represents the aggregate of the light-faced type below it under the same heading, the lighter type simply giving the details that go to make up this aggregate. In the case of "Provisions." for instance, there are fifteen sub-divisions, but the whole fifteen are included in the aggre ate in the dark-faced type. Following this item for the purpose of comparison, the cost of "Provisions" at Brockville this year is 12 cents and a fraction per capita per day. Last year it was also a fraction over i2 cents. London and the other institutions rum about 12 cents, while Toronto, for "Provisions," runs upwards of 16 cents. A difference of four
cents per eapita per day is not much in itself, but with an average attendance of 866 patients, as the statement shows we have at Toronto, that difference of four cents per capita per day amounts to over $\$ 3+.00$ per day, or about $\$ 12,400.00$ per year in this institution alone. Following now the details under the item "Provisions" on the Spread-sheet, one secs at once how the increased cost is made up. It will be seen that Toronto uses butter 2.65 cents per capita per day, milk 1.59 cents, butcher's meat 5.26 cents, while in the other institutions the consumption under these items is substantially less. Why is this? That is a question that is put back to the Superintendent of the institution at once. He is asked to explain. The explanation is given and discussed. And so with other items and other Institutiuns, the Department always keeping in mind that the standard of service must in no case be sarrificed in order to better the financial showing.

Passing to the item "F-ating and Lighting," there is fair uniformity until we come to Woodstock, which is costing upwards of 7 cents per capita per day as against 5 cents in the other institutions. But the explanation is to be found in the small population of Woodstock and the increased space per patient, they all being epileptics and requiring special care and attention.
Again, there is a story in economics told under the item "Salaries." In Breckville, for instance, the salaries amount to 17 cents per capita per clay, in Cobourg 24 cents, Hamilton 16 cents, Kingston 23 cents, and so forth, until we come to Woodstock 29 cents. With the population given at the head of each column, the Spreadsheet shows that it costs altogether more per capita per day to pay the salaries account in the small institution than it does in the large. Take Familtor and Kingston as fairly representing the value of the large institution as against the small in point of expense of administration and salarics. Hamilton has cost for the past year I6 cents per capita per day, while Kingston has cost
 fur capita per day in favour of Hamilom. Now, 7 cents per capitaper day in mow moch in iteclit bum when apphend
 per year mure fur alministration and adario on acoment of the fon pratients at Kingonon than if thene (won were part of a 1.20 pationt institution. 'This mean, that if we hat all of our upwarls of b,oon patients in the varions institutions distributed in mits of goo cach, they would cost we approximately $S_{153.000}$ per year more on account of alaries alone than would the same patient distributed in units of $\mathrm{g}, 200$ each.
The "Farm Recoverics," tom, at the font, tell a very interesting story. It Familton the value of the farm produce is $f$ cente per patient per day as against 5 cents last yar. At Lomdon the value of the farm produce likewise shows les than last year. but is is only fair to explain that while wome of the farms appear to be producing less per capita per day for the year igo than for the year rfor, they have in fact profluced much more. The reduction in amount when put into drilars is due to the reduction in values that we have arbitrarily made for the prostuce of the farm. This reduction tosk effect at the beginning of the year just cloved. The values are now arbitrary and fixed. Since we are our own market we can do this. It maintains uniformity in - wor acomenting and gives value to our comparative figures from year tw year. "Farm Recoveries" are all kept on the same brais: for instance. milk 4 cents per quart, potatnes to cents per bushel, vegetables at fixed rates, but always well below market price.
liurning to the statement of revenues from patients who can pay something on account or in full, it will be seen that the total revenue per capita per flay amounted to if cents at Toronto as compared with 5 cents at Brockville. 8 cents at Hamilton, and 9 cents at London.

Coming to the net cost as shown at the frot of the column for each institution, it will be seen that the cost




 pre day. but that reluction is :wommen for ber in


 lay. but thi asain worken own ont the bacis of daily average permation giver the eryplaration.

 lature, the cexpenditure and comomption, are condanly tuder supervision. The stork in the stores at the invidtations are regulaty cherekel and inventerien from the contral office in order that we may lines if they agrere with the valuer of the wowk an atrowa be the lerlger accomes in the fepartment. This whald be a matter of constant vigilance.

Some of the merits of the prenem arombing oydem with the Spread-shect inened gatioty, warying forward the oproation for the yar to the ent of the ghater dralt with. are:--
The Spread-shect, to one who has given it any attern-
 for intance, the dietary of each intilution is on if roughly indicated-the we of mediene in areh hre-pital-the value of farmishing sir own light and wates . the average pemataion in earh in tithing per day the: per capita per day collections, etc.

The Medical Superintendent and hi. medial as... tants have been reliever of a great deal of arommine. that they were formerly expected ti, fle, and are wow fre: to give their attention th, the proferional side of their work.
The accounting and rlasification dene eencrally give uniformity and put cach inctitution in remparis, $n$ with
its own former records and with all the other institutions as to each item. This should, and I believe does, make for better results,

A direct outcome of the present accounting system with the Quarterly Spread-sheet, is that with the estimates of the Department voted by the Legislatite under perhaps 500 different items each year, and involving upwards of one million dollars of expeaditure, we have in each of the past two years been able to close the books of the Department for the year with every account paid, without a single item over-cxpended, withoui a dollar transferred from one item to another, without a Treasury Board Order to supplement the vote of the House, and without relaxing in any way the effort to improve the standard of service.

The Department has come to regard a knowledge of this Spread-sheet, and of what it is intended to show, as of great importance to every official who has to do with revenues and expenditures. and of greater importance still to the institutions themselves.

## INDUSTRIAL ACTIVITIES AT A HOSPITAL FOR INSANE.

> W. J. Robinson, M.B.

Medical Superintendent Hospital for Insane, Lendon, Ont.
Jndustrial activities at a - -ospital for Insane may, to the casual observer, appear to possess no distinguishing features from those seen elsewhere. While to some extent this is truc, there is this great difference that in the ordinary industrial operation the whole idea must be to make a profit, whereas at an insane hospital almost as much importance is attached to the very great benefit derived by patients from the regular and congenial occu-
pation afforded by a multiplicity of inclustrial operations. Fvery hospita! has numerous examples amongst its chronic patients that show the great improvement that takes place. even in those suffering from a considerable degree of clementia, by regular and constant occupation.

From an economic point of view the various industries connecied with any institution are well worth considering, as without them the cost of the support of the different hospitals for insane would be very much greater than it is at present. In connection with the London Hospital for Insane are to be found all the leading trades. Here are to be found a large and well equipped carpenter shop, a machine shop, a tailor shop, a shoe shop, painters, bakers, butchers, dress makers, plasterers and masons, cabinet makers, upholsterers, mattress makers, plumbers, machinists and steam fitters, a splenciidly equipped steam laundry, a blacksmith shop, winist weaving and knitting are by no means lost airs. These industries are indispensable to the well-being of our institution and afford employment to a fair percentage of the male population. Little need be said regarding them, as with one or two exceptions they possess nothing out of the ordinary line of such industries.

I will endeavour to deal more particularly with the farm and garden and with the various industries arising from them. I am aware that industrial activities usually mean factories and shops of various kinds where raw material is worked up into finished products. A farm and garden properly managed can well be called a factory. All farm products such as hay, oats, corn, barley, roots, and pasture may well be looked upon as the raw material from which is produced milk, butter, eggs, poultry, fresh pork, bacon, ham, beef and veal. I mention these articles because they are the finished product of our factory farm, and it is only in the shape of one or the other of these that any of the products of our farm reach their final market, viz., the clining-rooms of our institution, where 1.250 people, mostly hungry, are fed
every day and three times a day during the year. It can readily be understood that with such a home market our farm is very profitable. Our garden to a great extent produces finished products ready for the table, requiring only a preliminary cooking. Even here, however, the surplus fruit and vegetables which in former times, at certain seasons of the year, owing to the great quantity produced. was often wasted, is now taken care of by means of a small, modern canning plant which was installed a few months ago and of which I shall speak later on.

## 'Ine FiARM.

'I'le farm consists of 535 acres of land, the greater part of which, by long years of good cultivation, has reached a high state of fertility. One field of 52 acres had, however, been allowed to remain almost in a state of nature, the greater part being low and swampy. In the early summer it was almost covered with water, and towards the end of the scason furnishing a certain amount of coarse, rank grass. The whole field was probably not worth more than $\$ 100.00$ a year. As an illustration of the value of underdraining this field is most interesting. In the summer of 1909 Prof. W. E. Day, of the Ontario Agricultural College, surveyed this land and gave us a plan for its complete underdraining. 'Time did not permit us to complete the work fully, but a fairly satisfactory job was done. The field was ploughed, its stumps and roots removed, twenty-threc acres of the higher portion was planted in corn, twenty-seven acres of muck land in potatoes, and two acres remained untouched. At a low estimate $\$ 2,000.00$ worth of corn and potatoes were produced on this hitherto almost worthless field.

The finished products of our farm arr milk, potatoes, butter and eggs, poultry, pork and beans. During the season just ended we produced a large quantity of farm produce. The total yield from our farm during the year and their value at prices current to-day are as follows:

SEWAGF FARM.
Barley, 525 bus. at 50 c ..... \$ 26250
Peans, 60 bus. at $\$ \mathrm{t} .90$ ..... 11400
Corn fodder, 50 ton at $\$ 5.00$ ..... 25000
Ensilage corn, 400 ton at $\$ 2.00$ ..... 80000
Shelled corn, i,ooo bus. at 500 ..... 50000
Hay, i6s ton at \$1o.00 ..... I. 65000
Mangles, 240 ton at $\$ 4.00$ ..... 960 oo
Oats, 2,110 bus. at 34 c ..... 71440
Straw, So ton at $\$ 5.00$ ..... 40000
Potatoes. 7.250 bus. at 40 c ..... 2,900 00
Pork consumed on the premises,
12,6i8 lbs. at Sc ..... 1,009 44
Pork sold alive ..... 1,395 12
Milk produced, at $\$ \mathrm{i} .60 \mathrm{cwt}$ ..... 5.99676
Eiggs, 1,003 doz. at 25 c . ..... 25075
Poultry, 1.083 lbs . at roc ..... IOS 30
Pull calf ..... 7500
Calves ..... 8700$\$ 17,47327$

With the exception of the beans, potatoes, pork, milk, eggs and poultry all this must be looked upon as so much raw material and it is the business of the factory part of our farm to work it up into the finished article.

## The Dirry.

The dairy cows are the chief means we have of converting all this great mass of raw material into the very best quality of food. Forty-two of these beautiful and uscful animals, mostly Holstein grades, supplied us during the past year with 361,200 pounds of good, clean, pure milk, testing 3.6 per cent. butter fat. In other words each cow produced 8,600 pounds which at our market price of $\$ 1.60$ per cwt. averaged $\$ 137.60$ per cow. We estimate that the cost of feeding one cow is $\$ 70.00$, without including labour, which will probably be balanced

HERI OF HOLSTEINS.
by the value of the manure, so that the very snug profit of $\$ 67.60$ was made from each cow. It must also be remembered that at least two-thirds of the food stuff reguired to keep the cow is grown on our own farm and is sold to the dairy at a very fair profit. To get the best results from the dairy cow she must be fed a balanced ration, that is the food must contain a certain proportion of dry matter and of proteids and of carbo-hydrates and fat. The ordinary fodder grown on the farm such as corn, ensilage, hay and roots, contain an excess of carbohydrates and fat and are low in proteids. To balance this, foods such as bran, shorts, oil meal or cotton seed meal which are high in proteids must be added and these concentrates really represent the only cash outlay. Within the past few years a wonderful forage plant, Alfalfa, has obtained a widespread popularity in Ontario. This plant is very rich in proteids; on analysis it is found to be cimost equal to bran. Three crops can be produced each year and there can be no cloubt but that in a very few years the cash outlay for concentrates will be greatly lessened when the virtues of this wonderful legume are more widely known. On our farm there is at the present time twenty acres seeded to Alfalfa, all of which promise very well. One field of ten acres, seeded in the spring of rigog. produced about twenty-five tons during the past year which is considered fairly good for the first crop. In addition to its great value as a highly nitrogenous food, Alfalfa by means of imnumerable bacteria which are found on the little nodules clustered on its roots has the faculty of separating nitrogen from the air and storing it in the soil, thus enriching and fertilizing the land. To successfully grow Alfalfa in land which is not already inoculated a pure culture of these bacteria should be mixed with the seed. If the seed is sown immediately the bacteria begin their work of storing up nitrogen at once. It is found that if no bacteria are present the nodules are not formed and the plant after sickly existence will die before second summer.
' 1 ' food value of the milk, however, is actually greater than the cash value. It seems pretty well established that one quart of milk equals one pound of beef as food and on this basis each cow in our herd produced last year the efuivalent of 3.450 pounds of beef. While this estimate may not be exact, at all events it can be demonstrated that a high class dairy cow can furnish cheaper and better food than any other agency known to man. Owing to the increased productivity of our farm we are increasing our dairy herd to sixty cows and in two years at the furthest we hope to increase it to one hundred.

It must not be hastily assumed that the average dairy cow produces 8,600 pounds of milk each year. The average for the entire province would not exceed much more than one-half this amount. In our herd probably 2,000 pounds have been added to the products of each cow in less than three years. This has been accomplished in two ways, viz., "Feeding and weeding." About two and a half years ago a system of weighing the milk of each individual cow daily was begun. During the first ycar all cows giving less than 6,000 pounds were discarded. The next year the standard was raised to 7,000 pounds, and now the minimum standard is 8,000 pounds. Every cow which falls below this standard is fattened and sent to the slaughter house. It is expected that an average of 10,000 pounds per cow will be attained in a few years.

One reason for this expectation is found in the fact that the thirteen best cows of our present herd have averaged during the past year ro,240 pounds of milk having a cash value of $\$ 164.84$, and the best cow in the herd produced 13,305 pounds valued at $\$ 212.88$. It must be remembered that with one or two exceptions all of these animals are ordinary grade Holsteins, none high-priced; the cow which produced the large amount of over thirteen thousand pounds having originally cost only $\$ 40.00$.

A third method of improving the quality of the dairy cow, viz.. "breeding," is also practised by us but we
have not yet had time to bencfit much by this. Formerly all calves born on the farm were sold at once to the butcher for the sum of two dollars. This course is still pursued with the male calves but the females from all our best cows are now being raised and it is by means of these that we expect to be able to increase the herd to one hundred cows.

During the year 1908 our entire herd was tested with tuberculin, twelve reacted and were slaughtered. Since that period irregular tests have been made and we are now making arrangements to inaugurate the Bangs system of cradicating tuberculosis. To carry out this system a second stable on our North farm is being renovated which, when completed, will enable us to at once separate each animal that reacts from our main herd. The milk from cows infected, if we have any, will be sterilized, the animals themselves kent entirely separate, the calves removed at once and fed either with sterilized milk or with milk from the herd which does not react. Of course if any animal is affected to such an cxtent that the disease can be detected clinically it should be destroyed at once. The Bangs system appears to offer an effectual method of dealing with this disease but involves such an amount of extra labour that it would hardly be practicable for the small farmer.

Our dairy stables have been entirely renovated, all wooden partitions and mangers removed and replaced entirely with cement and iron. The stable is well flushed with water every day and once or twice a year sprayed with strong sclution of lime and sulphur. The cows are groomed daily, and immediately before milking the flanks and udders are washed with soap and water. The milkers wash their hands and don clean, white gowns before milkins. As might be expected we have an abundant supply of clean, pure milk for our patients. Those who are sick or weak and those recently admitted are given all they can use. 'I'o our admission hospital, which


INTERIOR OF COW ETABLE.
has an average of 65 patients, seventy yuarts of milk are sent daily:

Two problems interesting from a medical point of view have arisen in connection with our dairy herd. The first is contagious abortion which at one time threatened to become epidemic but which appears to be partially under control by guarantining and the use of antiseptics. It is due to a germ which gains access to the uterus of the pregnant cow and causes abortion about the seventh month. The latest theory formulated by a committee of experts in England is that the germ is taken into the stomach of the cow and by some means reaches the uterus. Strict isolation and cleanliness appears to be the only preventive. It is a very serious question for dairy farmers and breeders and is well worthy of investigation by scientists equipped to deal with the subject.

The second interesting disease is "Milk Fever." Within forty-eight hours after calving a cow with scarcely any preliminary symptoms begins to show signs of paralysis' of the hind quarter. In less than an hour these parts will be completely paralyzed and the animal will be unable to move and shows every symptom of a terrible illness. Sensation and mution both appear to be affected and it is said the paralysis rapidly extends so as to include the entire body. At all events in two hours she appears to be at the point of cleath. 'I'he eyes are dull and glassy, little or no notice is taken, a stuperous condition rapidly supervenes and coma is not infrequent. To one unaccustomed to the disease it would appenr as if death were inevitable and indeed in former days I am told that 90 per cent. died. The treatment consists in distending the udder with pure oxygen gas. In about five minutes the condition of the animal seems to be improved, the eye looks better and more notice is taken; in half an hour there is a decided improvement and in an hour the animal can rise to her feet and appears much better. In a short time she begins to eat and in a few hours seems quite well. Fer milk flow returns in

EXTERIOR OF COW STABLE.
about 24 hours and no symptoms of the disease remain． By treatment the mortality rate has been reversed and upwards of 90 per cent．recover．In a medical experi－ ence extending over a considerable number of years，I have never seen any disease respond to treatment in the same rapid and theatrical manner as this，and strange to say it is claimed that ordinary air injected with a common bicycle pump will work the same miraculous cure．

## Tine Piggery．

This，at the present time，contains some 250 Yorkshire hogs of various ages，ranging from tiny sucklings a few weeks old to the mammoth old mothers weighing about 500 pounds．The chief food of these animals is the refuse vegetables and waste products from the kitchen． However，this waste is kept at a minimum and for the past year or two we have been obliged to complete the fattening process by the addition of a certain amount of corn and shorts．The grain fed to these hogs will not exceed $\$$ r． 00 per head and as their usual worth is about $\$ 15.00$ when turned into the pork barrel，it will readily be seen that our piggery produces a very considerable profit． We do not worry about the high or low price of pigs as the inevitable destiny of this animal is to supply us with either fresh pork，bacon or ham cured on the premises and used by our patients．

In the past a certain number of hogs have been sold owing to a lack of cold storage．This，howevcr，is being remedied and it is expected in the future that all hogs will be used at home either in the shape of fresh pork， bacon or ham．

## The Hencery．

During last year we gathered over one thousand dozen of eggs．all strictly new laid．We have found this depart－
ment a specially useful one as it emables us to provide fresh eggs and egg-nogs beyond sumpicion to all weak and delicate patients, and here I might again say that all patients in our admission hospital receive an egg-nog twice a day, something that could not be done if we depended on store eggs. In addition to fresh eggs our hemnery supplies us with a large quantity of chickens and ducks for use on our tables. At the present moment we have 96 magnificent cockerels, Rhode Island Reds, Barred Rocks, Black Wyandottes and Buli Orpingtons in crates being fattened to partially provide our Christmas dimer. I may say that on Christmas Day each patient gets all the turkey they can possibly eat and that, as a rule, 2,000 pounds of turkey is reguired for this dimner. I do not think anyone will complain if a well fattened chicken is given him this year in lien of turkey.

Beans and potatocs constitute the remaining finished product furnished by our farm. Although we are not situated in the bean belt it was determined this season to plant some three acres. with this crop. The experiment was quite successful as some 60 bushels of beans were produced, which will be almost enough for our own use. Potatocs-the only vegetable raised on the farm for table use is potatoes. Some 43 acres were planted which yielded about 7,200 bushels. Tho these must be added 760 bushels grown in the garden, making in all about $\$, 000$ bushels. This is rather an extra crop and if none decay we should have upwards of 2,000 busheis to sell. Our daily consumption of potatocs is 18 bushels, to which must be added about 600 bushels used for seed.

## Regoristry.

Our work in this department can scarcely be placed under the "industrial activity heading," at least not for the next 50 years. It is hoped that our experiments in this line will be justified not only by financial results in the distant future but in a much shorter period by the
improvements in the appearance of the landscape which trees always produce. Our north farm includes a considerable portion of very light, sandy soil poorly suited for the production of crops, bit admirably adapted tor the growth of pine trees. Under the direction of Prof. Ed. Zavitts, of the Ontario Agricultural College, some 2.500 pine trees were planted last spring. This work will be continued each year until fifteen or twenty acres are planted to various kinds of trees, chiefly pinc, spruce. walnut, butternut, etc. This experiment will be watched with much interest and it is hoped that it will afford an object lesson which can profitably be followed by many who have a few acres of waste land. Ninety per cent. at least of the trees planted in May appear to have come through the summer in good shape.

## IMie Garden.

This is probably the most profitable of our numerous industries. Altogether we have about sixty acies under fruit and vegetables, divided into the west and east gardens. The former contains some ten or twelve acres and well deserves a chapter by itself as it contains the well known sewage disposal plant, which is fam:liar to sanitarians all over the continent of America. I shall not describe this plant but the accompanying photograph gives some idea of its arrangement. I may say, however, that it has teen in operation summer and winter for over twenty years and, during all that time, all the sewage derived from the Institution has been saccessfully treated without the slightest offense. On the ridge of laid between the trenches all kinds of vegetables grow in greatest profusion. Contrary to the general impression, the sewage has little or nothing to do with the luxuriant growth of vegetables. Excepting for a short period after the seed is sown, when a certain amount of hiquid sewage is bailed over the land, no sewage reaches the plant. It


FRCIT ORCHARD.
sinks directly down through the deep bed of sand which underlies the whole field. If it were not for the intensive cultivation the land receives, together with a liberal application of stable manure and artificial fertilizer, this garden, in spite of the sewage, would be practically barren. As it is I feel safe in saying that no similar area of land in the Dominion of Canada produces larger crops.
The East Garden contains about fifty acres of land. Here are to be found all the various kinds of fruit grown in Canada, with the exception of peaches. There are, altogether, about 1,600 fruit trees, many of which have not yet arrived at the fruit bearing stage. For some reason our apple orchard has never been a great success, and many of the trees appear to suffer from some form of bacterial blight. This is common with all orchards where spraying is not practised. Until the present year the quality of our apples was very poor, seventy-five per cent., at least, being injured by the codling moth and various fungus diseases. In the spring of 1910, for the first time, we sprayed our trees very thornughly, first in April before the bud opened, with a sirong solntion of home-boiled lime-sulphur. This spraying almost completely exterminated the oyster shell scale with which the trees were badly affected. The second spraying of commercial lime-sulphur and arsenate of lead, which was done just as the buds were bursting; and a third spraying just after the blossom fell, with the same mixture, almost completely controlled the codling moth. As a result of this spraying we had one of the best crops of apples ever grown in the orchard, both as to quality and quantity. This was the more gratifying as in this section of the Province apples were almost a complete failure. ${ }^{\top}$ feel justified in saying that this year we had at least seventy-five per cent. of beautiful, large, sound apples, good to look at and good to eat.

It is not possible to enumerate the quantity of the different vegetables produced in our garden. I must, however, mention a few:-

| Apples | 385 barrels. |
| :---: | :---: |
| Asparagus | 3,364 lbs. |
| Beets | 30,682 lbs. |
| Beans | 5,969 lbs. |
| Cucumbers | 4,47 I lbs. |
| Cabbage | 82,665 lbs. |
| Cauliflower | 2,900 lbs. |
| Green Corn | 14,664 lbs. |
| Lettuce | 5,055 lbs. |
| Watermelons | 5,680 lbs. |
| Muskmelons | 8,i72 lbs. |
| Onions | 24,501 lbs. |
| Peas, green | 3.377 lbs. |
| Tomatoes | 55,869 lbs. |

In addition to these, every other vegetable grown in Ontario was produced in abundance. The total value of produce at the price laid down by the Department, which in many cases was very low, amounted to $\$ 4.228 .47$. It will thas be seen that the cash value of the various products of oui Farm and garden amounted to:-

Farm
\$17,473 27
Garclen
4,22887
Total
\$21,702 14
The actual amount of finished products turned out by our factory farm would be as follows:-

| All garden produce | \$4:228 87 |
| :---: | :---: |
| Beans | 11400 |
| Potatoes | 2,900 00 |
| Pork | 2,404 56 |
| Milk | 5,996 76 |
| Eggs | 25075 |
| Poultry | 10830 |
|  | \$16,003 21 |

While the financial returns for the year 1910. from the Farm and Garden, have been very satisfactory, it may be stated that a revised price-list was furnished for this year. materially reducing the price of the majority of articles produced. For the sake of comparison the following list shows the value of the produce at the prices formerly in use.

As mentioned in the carly part of this article a small canning plant was installed by means of which we were able to take care of a considerable surplus of fruit and vegetables which, inder ordinary conditions, must have been wasted. This plant was an ungualificd success. All the labour with the exception of one man at the cost of $\$ 50.00$, was furnished by our regular staff and by patients. The fullowing is a list of artucles canned, together with their valtee at present prices:-

Apples, $43+$ gallon tins. present price. . $\$ 10850$
Beans, 78 3-1b. tins .................. 820
'Tomatoes, 2,375 gal. tins............. 75500
Tomatoes, 929 three lb. tins. .......... 9750
Plums. preserved, 200 thiree lb. tins... 5200
Pcars, preserved, 550 gal. tins....... 23000
Catsup, IS2 gai. tins.................. IS2 00
Chili Sauce, 1,000 quarts
Green 'Tomato Sauce, 1.000 quarts) say 10000
Pumpkins, 480 gallons. .............. 12000
Total ............................... §1,653 $20^{2}$
'This litile industry is not only profitable but it gives us a great variety of palatable and even luxurious food for use during the winter months. That all will be required is seen when we consider that it takes sixty gallon cans of tomatoes for one meal for all the patients. These, boiled with a little onion and broken biscuit, make a most appetizing supper. The cost of this supper, if bought in the open market. would be about $\$ 20.00$. The actual cost to us is only about $\$ 3.50$.

GRELENIIOUSE: AT SEWAGF: FARAT.

Statement of igio Farm and Garden Produce at 1909 Prices.

|  | 1910. | 1909. |
| :---: | :---: | :---: |
| Barley | \$ 21000 | \$ 20250 |
| Beans | 7200 | 7200 |
| Corn fodder | 20000 | 20000 |
| : orn ensilage | 80000 | 80000 |
| Corn, shelled | 50000 | 50000 |
| Hay | I. 32000 | 1,980 00 |
| Mangles | 960 oo | 1,200 00 |
| Potatoes | 2,900 00 | 4,445 00 |
| Oats | 63300 | 73500 |
| Straw | 320 oo | 64000 |
| Eggs | 25000 | 25000 |
| Poultry | 7581 | 75 81 |
| Milk | 5,996 96 | 5,996 96 |
| Pork | 1,009 44 | 1,009 44 |
| Hogs | 1.395 12 | 1,395 12 |
| Apples | \$ 28873 | \$ 57746 |
| Artichokes | 600 | 600 |
| Asparagus | 16820 | 33640 |
| Beans | 11938 | 17900 |
| Beets | 1534.1 | 20454 |
| Celery | 2774. | 2774 |
| Cherries | - 72 | -72 |
| Currants, black | 120 | I 20 |
| Currants, red | 7345 | 8864 |
| Citron | 800 | 8 о0 |
| Cucumbers | 44.71 | 6706 |
| Cablage | 61998 | 61998 |
| Carrots | 26868 | 26868 |
| Cauliflower | 2900 | 2900 |
| Green Corn | 7332 | 14664 |
| Egg plants | 340 | 340 |
| Grapes | 372 | 372 |
| Gooseberries | 2550 | 5100 |
| Lettuce | 24900 | 498 oo |

## A CASE OF CONFUSIONAL INSANITY.

| Melon, water | 56 So | 8520 |
| :---: | :---: | :---: |
| Melon, musk | 16344 | 24516 |
| Parsley | 010 | - 10 |
| Peppers | 276 | 276 |
| Plums | 810 | 1620 |
| Pears | So 21 | 12030 |
| Potatoes | 30690 | 46035 |
| Peas, green | 3373 | 6746 |
| Pumpkins | 2340 | 46 So |
| Parsnips | 11662 | 69975 |
| Raspberries | 5685 | 11370 |
| Radishes | 4002 | 2010 |
| Rhubarb | 3207 | $64 \times 5$ |
| Strawberries | 8724 | 10905 |
| Swiss Chard | 6536 | 6536 |
| Spinach | 5459 | 10918 |
| Squash | 4.73 | 453 |
| Salsify | 350 | 600 |
| Turnips | ${ }^{151} 79$ | 37948 |
| Tomatoes | 55869 | 55869 |
| Onions | 245 OI | 46798 |
|  | ,898 40 | ,121 31 |

## A CASE OF ACUTE CONFUSIONAL INSANITY.

By Dr. J. Webstir,

First Assistant Physician, Hospital for the Insane, Hamilton, Ont.
Following Kraepelin's classification, acute confusional insanity is one of the erhaustion psychoses, but "infective exhaustive" would seem to better indicate the etiology of the case about to be presented. In its earlier stages it was considered an acute delirium, but owing to its relatively protracted course, it has been classified as above.

## 

Ars. H. admitted to the Hanilton Hoppital for the Incane, February end, igo8, aged $f^{(6)}$ years.
Fimhey Hostory.

Father died of apoplexy, aged 60.
Mether died of typhoid pnemmonia. aged 53 .
Both parents were born in Ireland. There was no consanguinii, isetween them, and neither had a personal history of alcoholism or insanity, but the mother had an insane brother.

They had eight children-five sons and three daughters. Onc died of Bright's disease, aged forty; one of spinal meningitis, aged 30 . One son was twice insane and a patient in this institution during one of the attacks, the form of his insanity being melancholia, and he was discharged recovered.

## Persionil Eistors.

Patient was born in Treland. September ist, i86I, and came to Canada when very young. She was a bright child. strong and healthy, attentive to her studies and learned readily. In disposition she was cxcitable and impulsive. but very affectionate; modest. but not shy.

Her education was obtained at a private school for girls. her mother being averse to her daus'ters going to a school where there were boys. She left school when fifteen years of age, and appears to be well informed and refined. She was a serious child, and as she grew older took the responsibility of life seriously, worrying a great deal, and often being troubled with insomnia. She was moderately religious. industrious. strictly temperate as regards alcohol, and not addicted to drugs.

Previous to her marriage she is said to have had rhemmatism. typhoid and "brain fever," and to have been delirious during the acute periods of the two latter illnesses. but particulars are not given. At the age of
twenty-four she married, and has had five childen, two of whom are dead-one a premature birth and the other dying of dysentery. The three living are healthy and normal. Patient's married life appears to have been happy, but her husband has not been prosperous, especially during late years, and there have been tinancial losses which worried her greatly. Since marriage, and until her recent physical and mental iliness, pe ${ }^{\text {ient }}$ has been very robust and never seriously ill, and has continued to indulge in athletic sports-temnis, golf. rowing, skating, etc. Her normal weight has been from 125 to I30 pounds.

## History of Preshent Illmess.

Of the early part of her illness, information is meagre and somewhat conflicting. She was taken ill December 20th, 1907, and is said to have had a complication of pneumonia with spinal meningitis. The prenmonia appears to have developed first, for Dr. M., who was called in consultation Christmas Day, informed me that he found the patient suffering from pneumonia, but there was nothing to suggest spinal meningitis, nor were there mental symptoms. Patient's husband tells me that later, when new symptoms develcped, Dr. C. was called in consultation, and diagnosed spinal meningitis. This sequence of erents does not agree with that given in the admission papers. However, about January ist, 1908, after the temperature had been normal for three days, patient complained of great pain in the back of her inead and neck. She became unconscious, eyes open, pupils widely dilated and fixed, no movenent of eyelids on touching the exposed eye, and the urine was voided involuntarily. On gradually recovering consciousness, aphasia was noticed; she was unable to sce clearly, refused food, and delusions, illusions and hallucinations appeared. She accused her husband of having another woman in the house for immoral purposes, mistaking her daughter for

## 32 A CASE OF CONFC゚SONAL INSANITY.

the woman; became jealous of the nurse, and used abusive and foul language towards her, throwing different articles at her. She saw strange shapes on the ceiling and about the room; became suspicious of food, declaring it to be poisoned; wept and laughed in turn, and was affectionate and abusive towards the same person almost coincidentally. She was sleepless, lost weight rapidly, developed bed-sores and became much exhausted. Her memory failed and her ideas were confused.

This description covers the month of January, during which time she was kept at home.

## Condition on Admission.

Physical.-Patient was too weak to stand, and weighed only eighty-eight pounds. Complexion dark,


Appearance of patient shorily after admission.
hair iron-gray, head and face well formed and symmetrical, expression "drawn" and very anxious. Teeth irregular but in a fair state of preservation. Tongue thickened, dry and heavily coated-protruded straight. Breath very fetid. Pupils dilated, equal, responsive to light, but for accommodation they could not be tested. Hearing normal. Speech very thicis, probably from the

## A CASE OF CONFC'SIONAL INSANITY.

condition of the tongue. Chest well formed. Lungs normal, excepting for a slight roughening of the respiratory murmur in the upper part of th.e left lung. Heart normal-pulse 94, respiration 20, temperature 98.3. Palpitation of the abdominal viscera negative. Boweis very constipated, and the rectum had to be unpacked before they could be properly moved. Urine contained heavy deposits of urates, otherwise nurmal. There was evident hyperesthesia all over the cutaneous surface, as doing the hair, bathing her, ctc., caused pain. An abscess existed over the lumbar region, and there were several recent scars in the same locality.

Owing to her great restlessuess a more complete physical examination could not be made.
Mcntal.-There was deep clouding of consciousness, and almost complete disorientation. Patient was very restless, crawling about the bed in a purposeless way. She seemed to be in great fear, and continually called "Daddy, Daddy !" clung to those about her and cried, "Don't leave me." It is doubtful whether she clearly comprehended anything that was said to her, judging from her actions and cries, which showed no relationship to her surroundings, yet her attention was strained. Hallucinations seemed probable, but their nature could not be determined. At times she simply cried and moaned.

For three days she could be persuaded to take nourishment if spoon fed, but was very resistive. Once she said the milk was poisoned. On the third day she refused food entirely, and for the next four weeks was tube fed daily, lavage being also employed. Persistent vomiting was a most distressing feature at times, and nutrient enemata were given. Her breath was very fetid. Strychnia was administered hypodermically three times daily, and occasionally normal saline injections were given by the bowel. To induce sleep, frequent hot packs were cmployed, with occasional doses of veronal when sleep could not otherwise be induced; but as a rule the packs

## 

were very chilectual, and whil! i: the pack she would usmally drink a couple of glasses of water on milk volumarily.

Her temperature ranged abont the normal, sometimes slightly less, but twice it rose to 100 , remaining so for only a few hours. The pulse averaged 95 . Urine and feces were irerguently voided involuntarily, and the abscess on the back reflued to heal. Her weight fell to eighty-six potunds.

This practically deacribes her comdition during the first five weeks of her residence in this hospital.

During the first week in March she showed signs of clearing consciousness, seemed to dimly appreciate her surroundings, began to take food willingly, and increased in weight. The abseess now rapidly healed, her tongue became clean, and she was able to clearly enunciate her words.

By the middle of March, excepting for some confusion of thought which followed any prolonged mental effort, and a partial loss of memory for words, she appeared to be quite well mentally. There was almost complete amnesia for the preceding two months.

A very interesting feature was a form of paraphasia which existed during this "dawn period." At first she was frequently at a loss when attempting to name an object, although she recognized the object when she saw it, or handled it with her cyes closed, and recognized the correct name when she heard it. Later she would give an approximate name, e.g., if she wished a glass of mills, she would say, "I want a glass of " (after some hesitation) "cow." Other examples were "can" for bath, and " ieet" for walk. Dr. English she called " Dr. England," and once she called him "Dr. Sweden." Nurse 'Taylor she called " Niss Cloth," and the head nurse she called "Mrs. Doctor." She recognized the right word when she heard it, and was mortified at what she termed her stupidity.

By April this conlition haid pased, and she hat no difficulty in speaking correctly. On April th her weight was one hundred pounds. She gained steadily, mentally and physically, without relapes until May isth, igos. when she was discharged. her weight at that time being 115 pound. Nearly three years have elapsed, and there has been no sign of a recurre nee.

So favorable a termination to thes case was most gratifying, complicated as it was by so many distressing and exhausting symptoms, and this result was mainly owing to the faithful and skileed mursing what the patient received. Had she been sent to a properly equipped hospital earlier in the course of her illness, probably her recovery would have been more rapid, notwithstanding the fact that her home surroundings were sood and a trained nurse was in charge.

## HIDROTHERAPY IN THE TREATMENT OF INSANE.

J. C. Mmehell. M.D.

Hospital for Insane, Hamilton, Ont.
"'Hydrotherapy may be defined as the method of applying water in disease. It includes the application of water in any form, the solid and fluid to vavour; from ice to steam internally and externally:"-(Baruch.)

The use of water in clisease is as old as the world itself. This use in the treatment of insanity is by no means a morlern idea. We find mention made of it by many of the early writers. We find in a work published in the early part of last century by Dr. O'FFalloran, Superintendent of the Hospital for the Insane. Cork, Ireland, on insanity and its treatment, where he lays considerable stress on the benefits to be derived by hot and cald baths
and the use of water in various forms. In the continental hospitals for insane hydrotherapy has been used for many years and occupies a prominent place in their method of treatment. In 1883 after a visit to the continent it was brought to the notice of the profession in America by Dr. Frederick Peterson of New York, and now hydriatic plants more or less claborate have been introduced into most of the New York and a great many of the American hospitals for the insane. No one has done more to stimulate the interest taken in this form of treatment than has Dr. Simon Baruch of New York and his excellent work on this subject is now one of our text books. Dr. Kellogg, of Battle Creek, Mich., has also produced an excellent text book on the subject.

During the last five years the movement has reached Ontario and owing to the deep interest manifested in our institutional work by the Provincial Secretary all our hospitals for the insane are well provided with the necessary equipment for using this valuable means of treatment in a systematic manner. In our hospital here we have now a most complete outfit, namely, continuous baths, spray, rain, needle, hot air, perineal and Scotch douche baths are all now in use. Our continuous baths are in a separate, well-lighted, well-ventilated room with a tile flocr, two tubs in a room, so that one nurse can give her whole attention to two patients. The nurse is expected to be in constant attendance and never to leave the room except when relieved by another nurse. Her duty is to keep the baths at a proper temperature, watch her patients carefully. make notes on their conversation, conduct and physical condition, see that they are lying comfortably on the hammock of the bath tub and that their wants are carefully attended to. The spray and shower baths have been in use since the institution was opened. They are in a separate room and are used for the regular bathing of patients and for general cleanliness. The other baths referred to are in a room specially:

THE CONTINUOUS BATH.
prepared for that purpose. The walls are tiled and the floor prepared to drain off all water. These baths are operated by a control table moder the care of a nurse specially trained in this department. In this room a rain, needle and Scotch douche bath can all be given to a patient at the same time, if such is required. The pressure. temperature, etc., are easily arranged by means of the control table.

It is a wedl known fact that many people are very careless in regard to cleansing the body and do not realize the importance of this remedy in enabling the system to resist disease. The majority of our admissions exhibit in a marked degree extreme neglect in this line and ordinary bathe used with continued watchfulness, cleanliness and constant observation always bring a certain amount of bencfit.

Hydrotherapy to-day is largely administered on a physiological basis. Water exercises a very important influence over the circulation, the respiratory organs and the nervous system, also a pronounced efifect upon the blood pressure. It may be stated in a general way that cold applications raise the bfond pressure and warm applications lower it. We all know how rapidly the action of the heart is influenced by the application of heat and cold. The warm bath increases the rapidity of the pulse which persists for some time after the bath. Almost every organ in the body is in reflex relation to the adjacent skin and many of the remote portions. This is the rationale for the application of counter-irritants, poultices, etc. Among the laity the more strongly smelling and odorous articles are often used and seem to please. Fortunately such agents are rapidly going out of favour. Up-to-date physicians know that the same effects can be accomplished through the application of heat and cold by means of compresses wrung out of water at a proper temperature and with pads and other appliances.

NURSE CONTROLLING SPRAY BATH.

Among the effects obtained by water may be mentioned the following: Tonic, sedative, eliminative, diuretic, antipyretic, vasodilator, constructive, etc.

For some years previous to the installation of our continuous baths (these latter having now been in operation for two years) we had to rely entirely in our hydrotherapeutic procedure on our spray baths and on wet packs, sheet baths, etc.

These latter baths can be improvised in any private house as well as in the hospital and if treatment in many toxic and neurasthenic cases were systematically inaugurated and carried out under the direction of a physician and a careful, intelligent nurse, many cases that are now sent to hospitals for the insane for treatment would never require to go. The wet pack properly used is one of the greatest factors at our command in the treatment and restoration to health of the class of cases above referred to. The importance of this form of treatment is so great that we take the liberty of giving the exact details of procedure as laid down by Baruch.
"The technique of the wet pack is as follows: A large woollen blanket is spread upon a hair or other mattress most appropriately placed (if a wire mattress is used a rubber sheet must intervene to protect it from the moisture) upon a high four-legged cot, best located in the middle of the room. so that the attendant may have ready access to it from all directions. A large coarse linen sheet, well wrung out of water of a temperature from $60^{\circ}$ to $70^{\circ}$. appropriate to the case, if spread upon the blanket, which should be long enough to extend two feet or more beyond the patient's extremities. and so placed that its left third hangs over the left edge of the cot. (Fig. I.) The patient provided with a wet turban, now lies upon the cot with arms elevated above his head, so that he occupies the junction of the middle with the right third of the sheet. The latter is now drawn across the body from right to left; its upper portion is tucked
along the left side of the trunk; its lower portion is placed between the lower extremities. The arms are now restored to the side of the body; the left overhanging portion of the sheet is brought over from left to right so as to envelop the arms and entire body, and its border is tucked along the right side. (Fig. 2.) The blanket is now drawn firmly from the left and tucked under the right side of the body, the right border of the blanket being drawn over to the left in the same manner, firmly secured under the body and its upper corner drawn around the neck and secured beneath it. The lower border is firmly tucked around and over the feet. Everything depends upon complete exclusion of air from beneath the blanket cover. The patient is now covered with several woollen blankets, if he is chilly. (Fig. 3.) If the covering has been skillfully done, the patient will resembic a mummy whose head is enveloped in a wet turban. (Fig. 4.)
"Modifications of this procedure consist in partial packs, in which orly parts of the body below the axilla are enveloped in the damp sheet. The duration of the pack (which should be from one hour to three hours), the texture of the sheet, the temperature of the water, and the cxtent of the pack, as well as its repetitions. modify the effect materially as will be seen. All wet packs must be followed by some hydriatric method which restores tone to the cutaneous vessels that have been relaxed by it. Either a half-bath, a sheet bath, or a cold ablution will serve the end and these are selected with regard to the need of each separate case. In institutions the circular bath and douche of $70^{\circ}$ to $80^{\circ}$ afford a more pleasant because more rapid sequel to the wet pack. The room in which the wet pack is administered should be well ventilated until a short time before the patient is removed.
"Rationale of the Wet Pack.-The first effect of contact with the cold damp sheet is an irritation of the cutaneous nerves and vessels, which induces contraction of the peri-
pheral ressels and which continues until the individual's power of reaction comes into play: This depends, as in all hydriatric procelures, upon the age and condition of the patient ; old people and childten do not react so readily as adults, and a previous high temperature of the skin furthers rapid reaction, as does also a vigorous normal condition. It should be borne in mind that the wet pack differs from the preceding methods in an important respect. There being no mechanical aid given by attendants. as in the sheet bath or half-bath, reaction depends entirely upon the vital powers of the patient. This fact distinguishes the wet pack completely from all other lydriatric procedures. and demands judicious recognition of the patient's reactive capacity. For this reason it should not be resorted to until the latter has been ascertained or trained by other procedures.
"As soon as the first 'shock' is over, which lasts from five to twenty minutes, and sometimes produces shivering, the cutaneous vessels begin to dilate; warm blood flows from the centre to the periphery in the effort the system makes to equalize the temperature between the skin and the sheet. When the body temperature is high, as in fevers. there is no chilliness. The cooled blood is at first driven from the surface to the subjacent stactures, but very soon the warm blood from the interior takes its place, and dilatation oi the cutancous vessels is the result. This continuous interchange of temperature, which occurs easily and slowly in patients with normal temperature, gives rise to a vaporization from the shect which, in fever. furthers loss of heat from the skin. The latter is increased by radiation from the blanket, and by the state of rest in which the patient is placed and the consequent formation of a vapour which envelopes the entire body. This continucs as long as the sheet remains cool and just as long as the thermic irritation is renewed, more feebly each time. until the sheet is thoroughly warmed.
" Cinder more prolonged application of the wet pack Ziegelroth has found the additional effect of elimination of

toxims. After detailing how the primary irritation by cold arouses a reflex excitation of the respiratory and cardiac contres and how reaction ensucs, producing a widening of the cutaneous vascular area, he points out that the skin is so filled with blood and heated by the latter that after an hour the sheet will steam on removal. This hyperemization of the skin should not be interrupted, but the wet pack should continue three hours. The skin now excretes more actively, producing cvaporization into and through the damp sheet. The odlour of the latter when removed often bears testimony to this enhanced excretion. The relief felt by most patients Ziegelroth ascribes, aside from the favourabic influence upon the circulation, to the removal of toxins. Although this latter claim has not been sufficiently well demonstrated, the odour of the sheets is subsiantiative evidence."
It is well known that our general practitioners do not, as a rule, use this procedure, but they only have to try it to find out what good results can be obtained.

Hydrotherapy applies not only to the external use of water but to water taken internally, and where it is used in cleansing certain accessibic organs of the body. Many of our cases, particularly the depressed ones. come in in a miscrable condition-emaciated, tongue heavily coated, breath offensive, sordes on the teeth, etc. Similar symptoms are also found in other forms of insanity, sometimes in mania and some forms of dementia precox. In many cases the stomach becomes so sensitive that it will retain nothing, and the patient, on account of negativism or certain delusions, absolutely refuses to take food. By introducing the stomacin tube, the stomach can be washed out thoroughly with some alkaline solution and this operation can be repeated as often as necessary. Small portions of nourishing food can then be introduced, and in a short time will be retained in the stomach without much difficulty. The mucous membrane assumes a more healthy tone. The appetite returns and the patient goes

applyint; wet pack to patient--2nd stage.
on improving. In all these cases the condition of the kidneys and particularly that of the bowels must be carefully looked after. We always begin with one or two doses of calomel followed by salines, and then use aperients as may be indicated. We frequently use in conjunction with other forms of hydrotherapy rezular and systematic treatment with normal saline enemata. Many cases treated in this way do not require any catharsis after the first treatment with calomel and a saline. It may be well to give the result of a few cases by the above method of treatment befince referring to the benefits received from the continuous bath treatment. These, howover, are only a very few out of the large number receiving this treatment.
M. C., a female, aged twenty-four years; born in England; admitted to this institution stpril 23rd, ryo6; weight 100 lbs . She has been an active and industrious girl, with moderate education and average mentality. This attack was post felrile, following measles. When admitted she was talking incessantly, constantly moving. and was unable to answer intelligently any question. She was extremely emaciated. tongue coated, sordes on teeth, skin rough, temperature normal. She was also troubled with insomnia. She was treated with calomel followed by a saline the second morning, and in addition lad to be given a hypnotic the first night as she was so excited. She was placed on a good tonic, and was given a wet pack every second day for three weeks. The pack was first given at a temperature of $100^{\circ}$; the temperature was gradually decreased to $60^{\circ}$. After the second pack the insomnia disappeared. She was given normal saline enemas as required and had the stomach washed out once. Three weeks after admission she was gaining steadily; her mentality soon returned and she began to gain in weight. She went home November 15th, weig'ing izo pounds. We heard from her periodically for some time and she remained well.
C.M., aged twenty-six years: almitted July oth, 1 got. She was a manic depressive of the manic type, was greatly excited. kept up a continual stream of talk, but was happy and cheerful and laughing at nothing. FIer general health on admission was very good; she weighed th4 pounds, being a large-framed woman. At the time of admission there was constant insommia. She was never given any liypnotico, but wet packs were begun the second day after her admission, and were given every second day for three weeks. at the end of which time she was sleeping well. Her appetite had always remained good, and there had not been much stomachic disturbance. She continued in an excited condition for some time, but slept well. The recovery was slow, and although she was much improved in April, 1907. she was not sent home until June tst of that year, when she weighed 195 pounds and appeared well in every respect.
A.D., female, aged twenty-four years; admitted Sept. 24th, 1906; married, had two children, the youngest one only five weeks old. She was a case of exhaustion psychosis of a particularly toxic nature, arising from the puerperal state. She had great delusions of persecution, was fretful, irritable, had turned against her husband and relatives, did not know that her last child had been born, and did not think it was living. She had been very suicidal. She was emaciated, weak and anemic; tongue cracked and coated and some sordes on teeth; weight ioo pounds. She also had insomnia, and was treated with wet packs every second day. beginning with warm, gradually going to colder ones. She was kept in the packs from one to three hours, and for a long time the sheets were particularly offensive. By the $4^{\text {th }}$ of October she was sleeping much better and eating fairly well. She improved steadily but slowly. She was allowed to go home with her husband on February 19th, 1907, weighing 115 pounds. She appeared to be quite recovered and her health was fair. We heard from her several
times. and her friends wrote us that she was entirely well.
M. B.. female. aged forty years; admitted May 2 ist. 1906. This patient had been very ill and came in still wearing a pneunonia jacket. It was a post felmrile case. but on admission her temperature was normal. She had still some bronchitis, but lungs were clearing up. She was a large-framed woman and weighing 140 pounds. Her tongue was coated, but she was taking a fair amount of nourishment. She was disoricited and had many delusions. There was also considerable insomnia. She did not have any hypnotics, but was placed in the wet packs as soon as possible, and began to slcep well after the first onc. The wet packs were continued for some time. and the sheets were extremely offasive on being removed. The packs were continued for some three weeks. when the patient was very much improved in every way. She was quite rational, and even at that time she was anxious to be at home. She was permitted to go home July ist. weighing now 155 pounds.
A. P.. female. aged thirty-four years; single ; adnitted Tanuary 23 rd , 1907. She weighed 1 to pounds. There was some insomnia in this case. but her general condition was fairly good. She had many delusions, and at times would refuse food. and did not want to wear respectable clothing. She was only given three wet packs and never any hypnotics. She gradually improved and became quiet and very helpful about the place. As she was diagnosed a case of dementia precos we thought she was as well as she ever would be, so she was sent home on February 21st, 1907, and has remained well and is getting along very nicely.
M. R.. female. aged twenty-seven years: married; had three children. She was admitted on February 16th, 1907, weighing $991 / 2$ pounds. This was also a case of exhaustion psychosis following the pucrperal period, with markedly toxic symptoms. Her child was born on Janu-


ary 24 th. She was very much emaciated, very weak, teeth and lips covered with sordes breath very foul. She was treated in the same way, but had, in addition to wet packs, stomach washed out, and she was tube fed for nearly three wecks. Normal saline enemas were given regularly with some aperients in addition. In two weeks she was sleeping well and taking a fair amount of nourishment. She improved gradually and soon became intelligent, atid made a rapid recovery. She was fully discharged July 29th, 1907, weighing 120 pounds.
II. M., female, aged thirty-one years; single; admitted October 22nd, 1906. She had been troubled with severe headarhes. for some months before her mind became deranged. She was a manic depressive of the depressive type. She had been extremely cxcited, was talking and singing wildly. also had delusions of persecution. ílhere was extreme restlessness, insomnia and incoherence of spereh. When admitted she weighed II9 pounds, and did not appear to be very weak, but seemed to be in a dazed condition. She did not have any appetite. She had the regular routine treatment. and then wet packs every second day for two weeks. Her stomach had to be washed out and she was tube fed for a time, after which she began to eat. She was sleeping well by November ist. 'The packs were very offensive until she had had about six, after which the odour was much improved. She weat home or February Sth, quite recovered, and a bright, intelligent woman.
E. J. . female, aged twenty-two years ; admitted Dr eember igth, 1906, weighing it5 , younds. 'This girl hau been sulfering from indigestion for some years. At times she had been addicted to the use of alcohol. She had been very irritable for a frw months each year for some years, before her admission. She became extremely insane, manifested by great excitement. She had been smashing doors and furniture in her home before she was brought here. At the time of her admission she war talking con-


PATIENA RESMING IN PACK.
tinuously, laughing, singing and screaming. Sise was much emaciated, tongue was coated, and there was a very foul odour from body and secretions. She was a case of manic depressive of the manic type, apparently of toxic origin. She also had a hereditary history. She had the routine treatment on admission. After the second day sle was given the wei pack treatment on alternate days. beginning with warm aad gradually going to cold. She perspired very freely from these packs. and the sheets on removai at first were very foul. She had saline enemas aini was fed by hand, bue did not have stomach washed out. At first there was marked insommia, but this gradually decreased and she improved steadily. She was discharged on June 4th. weighing 153 pounds. quite recovered. It may be : aid that this gir! remained well and has been extremely industrious. working hard and maintaining a good character ever since her discharge. She had not touched alcohol since. On the first of August of this year she was again run down and had been neglecting her genera, health. She had another attack, and was brought back here for treatment August 15th. Symptoms were very much the same as the time of her previous admission, though less severe.

There is another form of baths which can be used in any home, and which has been used here a great deal in comnection with our wet pack treatment. This is the shent bath, and is given as follows: One side of the patient's bed, or preferably a prepared table, is protected with a rubber sheet, and a blanket is then spread upon it. Two sheets, either cotton or linen, a basin, a tub of water and a cup are required. The head and face of the patient must be bathed with cold water and a wet turban wrapped around the head. A sheet is then wrung out of water at a temperature of from $50^{\circ}$ to $80^{\circ}$, and the patient placed won the bed or table and directed io hold both arms over lier head. The sheet is then brought around the body below the arms and wrapped completely
around the patient and tucked in between the lower extremities. The arms are then brought down alongside the body and the other sheet made wet and passed around the upper portion, covering in the arms in the same manner as in preparing the wet pack. The first impression will be a shock to the peripheral nerves caused by the sudden contact with the wet application. A deep arijing inspiration and a little shivering follows. Two murses must be in attendanen, and they begin to rul the body and limbs of the pati at rapidly, small portions of the body at a time, until patient is well warmed up. One nurse rubs the lower extremities and the other the upper extremitics and body. As soon as the body becomes thoroughly warmed water should then be poured from a cup or basin over successive portions of the body and the friction followed up rapidly by the nurse. This is kept up until every portion of the body has been gone over and the patient thoroughly massaged from head to foot. Rigour and chattering of the teeth must always be avoided, as it is an evidence of lowering the temperature too decidedly. This friction prevents the objectionable features of all cold baths, and the patient will not suffer at all from shock or cold. After the treatment is consinued from one-half to an hour, then the patient is taken out and may be given a spray, dried thoroughly, and placed in a warm, comfortable bed. This method is of great benefit where there is insomnia, indigestion, or where there is poor circulation. In many of our lethargic cases here we have used this bath with excellent results, not only among our acute patients but with many of the chronics who are suffering, as so many of them do, from imperfect circulation of the blood.
We migh. quote one case which was treated both with wet packs 'ud the sheet bath and who made an excellent recovery. Her case was apparently quite hopeless when she was first admitted.
M. R., female, aged twenty-seven years; admitted February 27 th, 1907. Father was weak-minded, and none
of the family hat a very high order of intelligence. This girl had been considered equal in mental ability to any of the others in the fanily, and had always been very industrious and temperate. Her insanity had developed in October. 19ob. When attack first came on she was very excitable and would strike and slap all those around her, without any provocation. This was followed by great depression of spirits and indifference to her surroundings She refused to speak except when greatly irritated. She lost all her affection for her friends. At times she would ery out without canse, and could be heard by neighbours a long listance away. She would keep up this crying sometimes for hours at a time. She refused to eat, became very much emaciated. and gradually got into a stuperous condition. She had a staring, blank expression. When admitted she only weighed 87 pounds. although she was 5 feet $5^{1} 2$ inches in height. She was in a catatonic stupor, and the condition known as cerea flexibilitas was very marked. Her tongue was heavily coated, teeth covered with sordes, and the odour from body was very offensive. She would only speak occasionally, and althongh very weak she would sometime get up out of bed and stand in the room without any apparent reason. The stonaach was washed out and she was lube fed continuously until the roth of March, at which time she began to eat. She had some cathartics, diuretics and numerous saline enemas. She had wet packs continuously every second day for about three weeks, and aiter that they were g.ven alternately with shect baths. These latter scemed to do her a great deal of good. She would not sleep at all on admission, but would often lie quietly with her eyes half closed. In a short time she began to sleep, and in two weeks she was getting a reasonable amount. She was kept in bed and had continuous treatment for about sis weeks. In that time she had improved a good deal physically, but not mentally. She still acted very foolishly, and was very


PAMFNY IN NMEHE, ? WN AND SCOTCI DOUCHE B.XTH.
resistive. In ()etober of that year she commenced to talk somevhat more frecly, but in a simpering tonc. Her appetite at this time was good. She spent a great deal of time out of doors after she had sufficienily recovered. Her improvement continued steadily all winter, and as her people were very anxious to have her at home she was discharged on March 31 si . 1008 , Weighing about 140 pounds. As her case was one of dementia precon of the catatonic type, we diel not consider her recovered, only improved; she has remained sufficiently well to stay at home ever since.

A very large number of cases might be cited from which we have obtained excellent acsults from the sheet baths.

The continuous bath treatment has been in use in this hospital now for over two years, and we now wonder how we ever managed to get along with our disturbed patients without it. They are certainly handled with much greater case and our admission wad is much quicter and much more comtortable for the other patients, particularly those who are convalescing. In those baths the patients lie comfortably on hammocks with air pillows under their heads, and are covered by sheets. The water is changing constantly, and is kept at a temperature of from $96^{\circ}$ to $100^{\circ}$. Nrany of the patients enjoy the treatment. Whey are placed me the tub about eight in the morning and taken out at 4.30 at night, when they are rubbed dry and placed in a comfortable bed. An ice cap, is at hand and placed on the patient's head from time to time to kecp the head cool. We have found this be th agrecing with even the weakest patients, and have not requared to give them any stimulants excepting in the cases where there has been a struggle to place the patient in the bath; then some of them have shown symptoms of cardiac weakness. In many hospital where there is sufficient help patients are kept in these baths both day and night. but as our nursing staff is not sutficiently large
our patients are only kept in for the length of time above stated. When our stafy becomes sufficiently large we will use the trearment at night. Oceasiomally we have a patient so excited that they cannot be retained in the bath, and then we have to give them wet packs, sheet baths, or whatever form of tuatment can be made use of for the casc. We have seldom found any case of insomnia that has not been overcome by the use of the contimums bath if kept up steadily, and except in very excited cases have we required to luse any hypmotics after the first few days of treatment. The elimination procured by the contimuous baths is not as great as that produced by wet packs, and in many toxic cases we frequently use a combination of the two.
The continuous baths are an exeellent and convenient orm of treatment in the terminal stage of paresis, many iorms of ulcer, bed sores and indurations.
The needle spray and Scotch douche used in comection with massage are very helpful to all cases reyuiring stimulation, such as slowly convalescing, torpid, and any cases with sluggish circulation. Many excited patients are benefited and quieted by the cold needle spray and douche.

We could record in detail the results obtained io a very large number of cases by the continuous baths or other forms of hydriatric treatment, but it is enough to say that all have been benefited to a greater or less degree.
The curable cases under the same methods are less noisy, require fewer drugs, sleep better, gain more in weight, and are generally more amenable to treatment than under the old methods.
Hydrotherapy, with its numerous and varied appliances, adds greatly to our armamentarium and makes our work in the treatment and management of the insane interesting to those in charge and much more beneficial to the patient.

# NOTES OF A VISI' TO SOME EUROPEAN HOSPl'LLLS FOR INSANE. 

H. Cl.Mrl:, M.D.<br>Toronto Hospital for Insane.<br>E. H. Ioung, M.B..<br>Rockwood Hospital, Kingston.

It must be evident to any one conversant with institutions for the insane in Ontario that these institutions are rapidly undergoing a complete transformation. Reception wards, searching clinical analysis, improved medical records, institution staff conferences, and the improvement in the education and training of nurses, all show that the dominating principle is a desire to make the institutions for the treatment of mental diseases medical institutions administered on the same medical principles, and with the same nursing ideals as our great General Hospitals, which are acknowledged to be the most perfect product of moriern hmmanitarianism and medical science.

The elevation of asylums from the status of mere custodial institutions to that of modern hospitals in the true sense of the term, necessitates a radical readjustment in methods of treatment and organization. 'Iraditional ideas must be uprooted. Long ago, in Ontario, the most repulsive features in the "past" of asylum treatment have yielded to the fervour of the iconoclast ; chains, wristers, camisoles, cold sprays, apomorphine and systematic neglect, have gone never to return; the solitary single room, whose euphemistic name does not disguise it from its prototype, the prison cell, with lock, key and shutter, is steadily being abolished; in fact, all interested in the care and treatment of the insane in Ontario now adopt an attitude of conscientious, scrutinizing suspicion towards any feature peculiar to asylums.

No doubt it is the duty and the desire of every official in the Ontario service to do his part towards giving full effect to this dominating principle, but in every radical change of this kind so many perplexing problems intrude themselves that any opportunity of adding to our knowledge and increasing nitr efficiency is welcome indeed. Accordingly when in dugust and September last the writer and Dr. Clare were permilted to realize a long and fondly cherished desire to risit the Old World, with its monuments of art and industry, its development incident to centuries of enlightemment. and especially its institutions devoted to the care and treament of the insane, it was with many anticipations of pleasure and profit that we took advantage of it.

Our tour included France, Italy, Switzerland, Germany. Belgium, England and Scotland. Throughout most of these countries there is a well-beaten path which leads to Salpetriere. Xunich, Claybury, Bethlem and Morningside, etc., and which has been travelled by psychiatrists from this country, both officially as commissions and unofficially as individuals. These institutions are closely associated in our minds with men who wrote valuable treatises, in which as students we were first introduced to psychiatry, and through other chamels have contributed richly to psychiatric literature. On this account these are the institutions which first occur to the prospective Canadian tourist in planning his route. However, as the best features of these old and familiar institutions have already been incorporated in the Ontario system, and as we had determined to fowis our observations chicfly on these features which pertain to the hospitalization of asylums. we found it advisable to deviate considerably from this course, after having discovered that certain newer, though less familiar, institutions presented a more favourable field for investigation along these lines.

Our first introduction to British asylums was at Claybury, opened in 1893. the first of the London County

## 60 A VISIN TO ELROPEAN HOSPITALS.

Asylum. It is beatifully situated on a hill, about nine miles from the heart of London. It is designed to accommonlate two thousand patients, but five hundred more are now in residence, ocoupying rooms not originally intended for the accommodation of patients. The staff consists of seren plysicians and three hundred nurses and attendants. We had an interesting chat with the Superintendent, Dr. Jones, who evidently kecps himself informed on ()ntario asylum progress. .is an evidence of this he showed us a copy of our classification of mental diseases nailed to the wall in his office. Beside it was one which he follows, which is practically that in general use before Krapelinns keen clinical insight shattered the traditions of centuries. Dr. Jones unbendiag attitude towards the Fraepelin ideas is well known, and it will occasion no surprise that his: views were not affected when two inquisitive Canadians pointed out that his classification was simply a list of symptoms and not disease entities. His parting shot was: " Dementia precox simply means that the patient has been brought to the asylum too soon." If it be true that the treatment of the insane can be divided into three stages- the barbaric, the humane, and the remedial-then institutions of this type, while they contain no relics of the first stage, yet they cannot be said to have advanced so far as our (wn in the third stage: they are good asyiums. but not hospitals. Dr. Jones himself frankly stated that his institution was out of date, although only seventeen years old. The wards are large. cheerful, we!l furnished and decorated; employment and entertainment of the patients is well provided for; their clothing shows neatness and a pleasing varicty, their food is plentiful, wholesome and tastefully served. but there is nothing remarkable in the treatment. A few acute cases were in bed on the verandals, but there were no continuous baths, and wet packs are looked upon as a form of restraint. Where is no "seclusion," but the windows of single rooms are closely shutiered at night; even the front door of the

## A VISI' 'IO El'RUPEAN HOSPIMALS.

administration building was locked during the day; the airing courts are enclosed with unclimbable iron fencing, and there appeared to be no "privileged "patients. 'The day was bright and sumy; such a day as would have turned out nearly the whole of our population, yet the beautiful grounds and immaculate walks had an untrodden, desertel appearance. We believe this must have been an exceptional occasion, for we cannot think that it could be the habit and custom in an institution where so many evidences of humane treament were observed.

The staff are justly proud of their pathologist, Dr. Mott, and of their laboratory, which is the central laboratory for all the London County Asylums. It is a detacherl building. with bacteriolngical, chemical, physical and photographic departments, and a room devoted to experimental psychology, which can also be used for lectures and demonstrations. One of Dr. Mott's assistants was engaged in a series of studies on the chemistry of the cerebrospinal fluid. The mortuary contains an antopsy and specimen room, two rooms for the dead, and a cold room kept below freezing point; there is aiso a small chapel and a waiting room for friends.

Claybury is an example of the older English asylums, and therefore it will not be necessary to give a description of the other institutions of this class visited.

Our visit to the great European Psychiatric Clinics was at an inopportune time, when most of the famous men who have been contributing to psychiatry the major portion of recent discoveries were absent on their vacation. We are well aware of the fact that the chief aim of these institutions is not to afford prompt and efficient relief to the unfortumate insane; the object, and the admitted object, is to furnish material for clinical instruction to students, and for study and observation by professors connected with the universities. We had a right, however, to expect that there would be due proportion between the quality of the treatment and their universally acknowledged high stand-

## 62 A MNI' TO EUROPEAN HOSPITALS.

ing in clinical and pathological knowledge; we were everywhere disappointed. For example, at Prof. Tanzi's clinic at Florence, we saw practically cvery excited patient in restraining harness of some kind; the building itself i. so strongly constructed and protected with iron gratings that it resembles a fortress more than a hospital. Many of the patients were in solitary confinement. At Zurich. the oldest psychiatric clinic in Europe, and the pulpit from which Jung preached the doctrine of an individual psychology in certain psychoses, individuality is so little in evidence in the ireatment of patients that they were herded together in bare, high-walled airing courts, which we in this country have come to regard as a most favourable culture medium for every insane propensity.

The remedial resomrees of these clinics are far below those of our own or British asshums. Continuous baths are not extensively used, and those which are employed are of a very crude patron, without hammock of any kind, and without any means of continuous hot water supply. The dict service is inconceivably bad. The wards are spacions and clean enough. but bare and cheerless. While the number of physicians is very large, the number of hurses is much too few, and they do not appear sc, aiert and intelligent as our own. Prof. Tanzi has himseli expressed his contempt for those alienists who devote their attention chiefly to pathological rarities, psychological curiositics and anatomical ireaks, and yet in his own institution these very things seem to be regarded as more important than the care of the immates. The patients, along with the microscope and the immunized shecp. are "merely" for demonstration and study, and they do not, as in the public wards of our general hospitals. where they are used for clinical purposes, receive in return the bencfit of the very best medical attendance.

The only features in these clinics which interested us were their fine facilities for teaching and research; in

## A VISI' TO EUROPEAN HOSPITALS. G

this respect they far surpass the (Ontario and Thritish asylums. Jheir laboratories are very large and complete; in one instance the laboratory building was larger than that which the patients occupied. In addition to the ordinary pathological departments there are rooms fitted with electrical appliances and apparatus for anthropometery, elc. ; chemistry rooms with hittings for investigations in physiological and pathological chemistry; a room is reserved for vivisection; a whole floor is devoted to experimental phychology, and is equipped with a bewildering array of ingeniously contrived apparatus for psychophysical experiments and neurological diagnosis. The amphitheatre was furnished with an epidiascope and many other teaching facilities.

At Zurich we saw two interesting cases. One was a young woman who, under the influence of the delusion that her right hand was immoral, had held it in boiling coffee until the lower half of the hand had sloughed away. The other was Jung's famous case of paranoid dementia precox, his analysis of which has recently been read by cveryone interested in clinical psychiatre.

It is refreshing to the practical psychiatrist to turn from these famous Jituropean clinics to an institution like Longrove, the most recent of the London County asylums, and the newest and most modern hospital for the insane in England. It is probably better adapted for the carrying out of modern ideas of treating the insane than any other hospital in the world. Whe essential principle amed at in the design and arrangement of every building has been to facilitate structurally the work of nursing. To give an adequate description of the plans of this hospital deserves a special paper, and we would commend it to the careful study of anyone who contemplates building a new asylum. As it was at this institution we saw the treatment of acute insanity usual in Great Britain most extensively employed, it might be well to refer to this briefly here. The treatment of the acute, the excited, the destructive cases in Great Britain

## 64 A VISI'T TO EUROPEAN HOSPITALS.

is practically our trealment for pulmonary tuberculosis. The patients are placed in bed in the open air for some weeks, both by day and by night ; this necessitates verandahs, the most modern of which are built on ground level. with ribbed glass roofs and cement floors, which are never !oss than twelve fect wide, to allow room for nursing. They are fronted with beautiful grass-covered courts. When they cannot be attached to the building they are bur It as detached structures. The beneficial results of t!lis treaiment were so obvious that we wondered why we had not employed it more extensively in our own country. especially as the necessary verandahs can be constructed with so little structural change or expense. The pure air of the northern latitude is a good guarantee of a good appetite. an enhanced metabolism and better sleep. The high pitched tones of excitement. so disturbing when confined within echoing walls. do not jar the hypersensitive brain when the vibrations are unconfined in the open air. It is claimed that the period of excitement is appreciably shortened and convalescence hastened; also it is evident that this form of treatment blesses the nurse who gives as well as the patient who takes.

The asylums of Scotland are the most interesting. from a clinical point of view. of all the hospitals for the insane across the seas, and the most interesting Scottish asylum is Larbert. That it is so is not because of its being heavily endowed or being well favoured in material things, for in this respect it stands in marked contrast to the magnificence of Crichton Royal Asylum and Craig House. That the Stirling District Asylum claimed so much of our attention and admiration was due to the fact that it seemed to be the most highly hospitalized of all the asylums visited.
Larbert is situated a short distance from Edinburgh. It contains about seven hundred beds. The buildings are one and iwo stories high, modest in architecture and inex-
pensive in construction, but admirably arranged for nursing purposes.

The system and general organization is one which was originated and gradually worked out by its former superintendent, Dr. Geo. Robertson, now superintendent of Morningside. It is worthy of careful study. The matron is the chief executive officer under the medical staff. To her is entrusted not only the supervision of the housekecping and domestic departments, as is the case in Ontario, but she also exercises a general control over all nurses and attendants, and the care and treatment of the patients on both the male and female wards. The present matron is a very superior woman, and is universally acknowledged to have exceptional fitness for the position. She is a graduate of the Training School of the Victoria Infirmary, Glasgow, and also holds the certificate of the Medico-psychological Association of Great Britain for mental nursing. Having obtained this dual qualification, she was given an opportunity to demonstrate her ability as a ward matron, and was then promoted to her present position. She divides the work under her direction into nine departments, namely:
I. Nurses' Home.
2. Kitchen and congregatc dining room.
3. Laundry.
4. Supervision of night staff.

5-9. Supervision of wards cluring day.
Each of these departments is in charge of an assistant matron, of whom those in charge of the night staff and day wards are required to have certificates of both general and mental hospital training schools. Those in charge of the kitchen, nurses home and laundry are graduates of schools of domestic science. In Ontario those in charge of the domestic departments have had no nursing training, while in Larbert, no matter where a
patient may be, on ward, in bed, in laundry, kitchen or sewing room, he or she is constantly under the supervision of a person of special training. In most of our Ontario hospitals the supervising staff consists of a supervisor on each ward, over whom is a trained nurse or assistant matron on the women's wards, and a chief attendant on the men's wards. The chief attendant has had no systematic training in nursing, and the supervisor, after being selected for promotion from among her friends, is placed in charge of them, and continues on terms of extreme intimacy with her subordinates. The not infrequent result of such a system is that she does not supervise at all, in the proper sense of the term, and the physician must rely almost entirely on the head nurse and chief attendant to oversee and direct all the wards. The tight discipline, the refinement, the diecorum, the efficient nursing and the hospital atmosphere so noticeable at Larbert are due chiefly to the constant presence on the wards with the patients, both male and female, of those refined, educated, highly trained assistant matrons. They wear a distinctive uniform, are given their own department in the home, their own sitting room and dining room, etc. In short, they are elevated to the plane of officers, and therefore are in a position to exert an elevating and leavening infuence on the lower and usually weaker ranks, which is not possible under our system.

Another marked feature of this institution is the large number of women nurses employed on the men's wards. From a conservative beginning with two women on the male wards by day, the number has been steadily increased until now about half of the nurses on the male wards are women, and the male sick wards are in charge of women nurses even at night.

What are the indications of success which has attended the system in operation at Larbert? Old and objectionable asylum features have disappeared, and have been replaced by hospital methods to an extent beyond that which obtains in any other institution with which we are
acquainted. Restraint is thus clefined by the Board of Lunacy for Scotland: "When a patient is macle to wear an article of dress, or placed in any apparatus which is fastened so as to prevent the patient removing it without assistance, which restrains the movements of the patient or the use of hands or feet, the case must be recorded as one of restraint, irrespective of the reason which may have led to such restraint or of $\mathrm{i}^{2}$ s having been used in accordance with, or contrary to the wish of the patient." It is claimed by the officers of this hospital that no patient has been subjected to such restraint, or has been placed in seclusion since 1902, and in a very thorough inspection we saw not the slightest evidence of the employment of such means in the care of the patients. The keyholes of the insid doors are covered with brass plates, so that it would be impossible to lock them even at night. Constant personal supervision, active, anxious skilful medical treatnient have taken the place of these restrictions to prevent the patients from indulging in insane propensities.

On going into a dormitory for acute cases, a patient of the manic type, disturbed by our entrance, sat up in bed and began to indulge in shouting and other manifestations usual with such cases. In an instant a small nurse was at his bedside, spoke to him in a low voice, and with her hand on his shoulder gently pressed him back on the pillow, and the sturdy Highlander was calm in an instant. That gentle word and kindly gesture seemed quite as effective as any of the ingenious, unscientific systems of restraint which we saw in the Italian and other European clinics.

That the employment of women nurses on male wards is fraught with grave dangers is admitted, but these have been obviated by the excellent system of supervision, so that after fifteen years' trial the Superintendent is able to state that he has no accident to record, no assault to describe and no scandal to report. He takes advantage of the fact that most of the insane are facile, open to sug-
gestion and pronc to imitation, and the freedom from acts of destructive violence, the absence of unseemly conduct, and the well-cared for aspect of his patients is the resilt of the cumulative influence of good example and careful nursing by a highly trained staff.

This system of administration is gradually gaining favour; it has Deen introduced into Bangour, Edinburgh; King Seat Asylum, Aberdeen; at Morningside, and even in some asylums in England. In seven years no feever than twenty-one of the assistant matrons have been appointed matrons of other institutions. These successes of their predecessors tend to develop an esprit de corts among the present nurses, and the prosoect of ultimately securing good appointments attracts the very best applicants, so that this drain on th. staff is more than compensated for, and now no difficulty is experienced in obtaining suitably trained nurses to act as assistant matrons.

Wre jaw several excellent institutions in and about Clasgcw, but probably the most interesting to the Ontario reader is a ward in a general hospital, where insane patients are received; this is one of the props on which is builded Glasgow's reputation of having the best system of disposing of their insane poor in the world. These patients are in the first instance reported to the Inspector of Poor, as persons in need of special care and treatment by reason of mental unsoundness; their namies are then sent to a salaried municipal officer called the Certifying Physician in Lunacy, who must visit and examine them within twelve hours after being reported; he finds many of these cases can be treated under his direction withont removal from home. If his investigation leads to the opinion that they are likely to be hopeless or lingering cases, they are certified as such and sent to one of the two district asylums at Gartloch or Woodilee. If, on the contrary, they appear to be acute and curable, they are sent, without certification, to a special ward of the General Hospital; here they are treated, and if they recover within six weeks are discharged. If they do not respond
to treatment, and show indications of becoming chronic cases, they are then certified, and sent to one of the district asylums. 'line time limit of six weeks may be extended in special cases.

The present Certifying Physician is Dr. Carswell, a genial, energetic young man of about sixty-eight years of age. We were fortunate in mecting him on his wards, and his thoughtful kindness in devoting a half day of his valuable time to showing his cases and explaining his unique system is among the most pleasant remembrances of our tour.

The first attempt at treating the insane in general hospitals, in Great Britain at any rate, was in London. Its desirability and feasibility was recognized, and a commission was named to carry out the project, but the movement was strangled by the opposition of asylum superintendents, who saw in the new scheme a menace to their recovery rate. Dr. Carswell, however, saw the mmense advantages which such a system offered, and, after fourteen years' agitation he was able to use his influence as an alderman to have a few beds set aside in a poorhouse, for the treatment of selected, uncertified cases of insanity. He was allotted only twelve of the poorest beds in the poorest poorhouse in the district, but in spite of working under adverse conditions, he was able to demonstrate such results as to justify the Parish Council, when building their new general hospital on Duke Street, in erecting a wing of fifty beds, for mental cases, which they placed at Dr. Carswell's disposal. He examines, roughly speaking, $\mathrm{r}, 000$ cases per year; of these he sends 400 direct to the asylums and 600 to the ward in Duke Strect Hospital ; of the latter 150 subsequently are transferred to asylums and 450 get well and are discharged. What a boon to the poor of Glasgow is this ward, to which the one absolute requirement for admission is the patient's need; and where in every 1,000 cases of inental alienation 450 are treated without the delay occasioned by troublesome legal formalities, without any wound to

## 70 A VISI' TO EUROPEAN HOSPITALS.

their self-respect and without running counter to their prejudice against certification and asylum incarceration.

The ward differs in no respect in appearance from the medical and surgical wards adjoining, nor is there any complaint from the latter of noise or other disturbance from the neighbouring insane ward. The recovery rate, as would be expected from the special selection of the cases, is high; the opposition of the asylum men has now been practically withdrawn, and the medical profession of Glasgow have gradually come to recognize the usefulness of the mental ward.
Morningside-it is not necessary to describe, as under the spell of Dr. Clouston's graphic pen this institution has been made more familiar to us than any other institution outside of our own land; we can only say that, like the Ontario asylums, it too is undergoing transformation, and the successes of its present superintendent in other hospitals augurs well for the future of this institution.

To relieve the overcrowding of their institutions, caused by the accumulation of patients no longer requiring asylum care, it is the custom in Scotland to entrust such patients to the care of families who live within the neighbourhood of the asylum, and who undertake to care for them at a moderate rate, usually $\$ 1.50$ per week. It is needless to say that the greatest care is exercised in the selection of both patients and guardians, and that provision is made for thorough supervision. The system seems to be slowly but steadily gaining favour, and there are now nearly 3,000 insane persons cared for in this manner. Last year two regrettable accidents occurred in the case of female idiots thus boarded out, yet the Commissioner states that " those accidents in no way tell against the system-the marvel is that they do not occur more frequently." This attitude is characteristic of the tenacity with which the Scot clings to what he believes to be a good principle. Another example of this trait is afforded by the fact that though, in IgIo, two patients met death by throwing themselves through
unprotected windows, yet the fact that two patients among 16,000 suicided in this manner is not considered sufficient reason for putting guards on their windows. Had any of these accidents occurred in Ontario public sentiment would have demanded the entire abandomment of the system which permitted them.

As a result of our observations in these and other foreign institutions, the following are some of the leaves which we think Ontario might profitably take from their book of example:-
I. The general condition of the patients was best in those institutions where hospital features were most prominent, and there is no doubt that Ontario is on the right course in introducing hospital features into its institutions.
2. An institution which accommodates chronic as well as acute cases can be conducted on hospital lines, with a minimum day staff of one nurse to ten patients, and the night staff should be not fewer than one to thirty.
3. The system of supervision in Ontario can be improved by elcvating the qualifications and prestige of cur ward supervisors. All of them should have both mental and general nursing training. If the comprehensive curriculum of the training schools for nurses of the Ontario asylums is conscientiously followed, then our own schools will produce, independent of the general hospital, suitably trained women for these positions; thus we will avoid, what appears to us, to be the one weak link in the Larbert system of organization.
4. As the natural result of No. 3, and depende upon it, the exclusion of women nurses from the male wards can no longer be justified; their superiority over men nurses has for years been recognized in gene 11 hospitals; our observations lead us to believe that they are ielatively just as valuable in the treatment of insanity as in other diseases.
5. Ontario asylums, while not relinquishing any of their present methods of treatment of the acute insane.
should add to their armamentarium a more extensive use of the out-of-door, rest-in-bed treatment.
6. The space devoted to administrative and laboratory purposes should be greatly increased, if Ontario is to take full advantage of her vast material for clinical and rescarch work. We are all earnestly looking for the day when we shall have a psychiatric clinic or clinics, but if these institutions are to have the confidence of the profession and of the general public, they must avoid that great defect in the corresponding institutions in Europeneglect of their patients in a misdirected zeal for science.

While we saw many things in these foreign countries worthy of our admiration and emulation, it must not be inferred that this country has been laggard in its treatment of the insane. Nowhere did we see so good a system of clinical records as in Ontario, nor do the medical staff place themselves so constantly and intimately into relationship with their patients. Our training schools for nurses have a much more comprehensive curriculum than that of the British Medico-psychological Association, whose examination is taken after an average of only forty lectures, spread over a period of three years. Nowhere is hydrotherapy so perseveringly employed, though its merits are universally acknowledged. Our diet system for acute cases is better than that of any of the public institutions visited. In the matter of nursing we are well abreast, if not in advance, of the best of their hospitals. Everywhere we found a very fair appreciation of Ontario asylum men and methods, and a disposition to regard us as worthy rivals in the race of scientific progress in this and other branches of medicine.

In closing this hurried and imperfect account of a delightful visit, we feel it our pleasure and privilege to record our heartfelt appreciation and thanks for the many courtesies extended to us by the gentlemen connected with the various institutions visited; and if the perusal of this paper awakens the desire in any of our Ontario confreres to visit and examine the system
employed in these hospitals, our experience leads us to say that they will find there friendly, kindly, agrecable men, of large experience and skill, eagerly desirous to turn the pages of the great book of practical exposition to every earnest student, and that in no spirit of arrogance or self-sufficiency, but in the truest desire to show a straighter path and a higher aim in a great department of the art and science of healing.

## A CLINIC FOR NERVOUS AND MENTAL DISEASES.

C. K. Clarke:, M.D.,

Medical Superintendent Hospital for Insane, Toronto.
During the latter part of 1909 , through the kindness of the Governors of Toronto General Hospital, who placed a building at our disposal, we were able to open a small clinic, with the idea of seeing what could be done in the way of getting in touch with mental cases in the early stages of the disease.

The work lias been done almost entirely by Dr. Ernest Jones, and the results have been more than gratifying. It is cvident that in a large city there is a place for this clinic, which is really the first step towards a well organized Psychiatric Hospital.

The fear was expressed by some that this would prove a useless institution, as it would attract neurological cases, which might be cared for and dealt with in a general hospital. A brief perusal of the statistics will prove that this fear was quite unwarranted. It is interesting to note, too, that none of the patients so treated have reached the asylum, thus proving what has been contended, that early treatment is not only advisable but important in many cases.

Dr. Jones reports as foliows:
The Out-patient Clinic was opened on Dec. Inth, 1909. The following report refers to a period between then and Oct. 3 xst, 1910, and of only those occasions on which I was personally present- 74 in all. For this period the total attendances of patients comes to 267 ; the number of new patietsts 110 . If this were calculated on a basis of 12 months it would be equivalent to a total attendance of 371 patients, of whom 155 would be new cases. In the early months, however, the attenclances were of much sparser than at present, there being four occasions in two months on which there were no patients at all. The attendance in the last month (October) has been about equal to that of the first three montlis of the service, and would be equivalent to an attendance of 589 patients a year.

## Nationality:

Of the male patients, it were born in Russia, II in Canada, 10 in England, 4 in Austria, 2 each in Scotland, China, Italy, Roumania and Ireland, and I cach in Wales and United States.

Out of 40 patients not born in Canada 6 had been in this country for less than two years.

Of the female patients, 28 were born in Russia, in in Canada, 5 in Austria, 4 in England, 2 each in Roumania and United States, and 1 each in Scotland and Italy.

Of 43 patients born out of Canada i3 have been in this country for less than two years.

Twenty of the male patients were Jewish and 36 of the female patients.

It is difficult to draw a general conclusion from the statement of nationality, as on the one hand many of those entered to have been born in Russia had resided for many years in England, and might be more properly counted as belonging to the English immigration; on the other hand, some of those born in England were thoroughly foreign and could hardly speak Engish. The inci-
dence of nationality was without doubt largely affected by a number of factors such as the adjacent position of the clinic to the foreign quarter of the city; again, for instance, the greater proportion of Jews as contrasted with the Italian might be accounted for by my greater conversancy with Yiddish than with Italian. It is weii known that a given institution such as the Clinic may largely get known in certain circles more rapidly than in others, particularly, amongst circles such as the Jews who lead a life relatively isolated from the rest of the community.

## Dragnosis.

Diagnoses are particularly comparable as they were all made by the same observer and therefore on the same basis.

Male cases :-
Medical* ................................... 7
No diagnosis made $\dagger$. . . . . . . . . . . . . . . . . . . . 7
Anxiety neurosis ........................... 7
Anxicty hysteria ............................ 6
Hystcria .................................... 4
Neurasthenia, together with anxiety neu-
rosis ................................. 4
Dementia Fraecox . ........................ 3
General Paralysis of Insane ............. 2
Chorea ...................................... 2
Catatonia .................................... I
Parkinson's disease ......................... I
Neurasthenia . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . I
Alcoholic Psychosis ......................... 1
Conyrenital Idiocy .......................... I
Neuralgia ..................................... I
Manic Depressive Insanity . . . . . . . . . . . . I
Obsessional Psycho-neurosis ............. I

[^1]Female cases:-
Anxiety Neurosis ..... 2 I
No diagnosis ..... 8
Anxiety Hysteria ..... 6
Medical ..... 4
Hysteria ..... 3
Catatonia ..... 2
General Paralysis of Insane ..... I
Obsessional Psycho-ncurosis ..... I
Anxiety neurosis, together with obsessional Psycho-ncurosis ..... I
Dementia Paranoides ..... I
Acroparaesthesia ..... I
Migraine ..... I
Narcolepsy ..... I
Anxiety Hysteria, together with Anxiety Neurosis ..... 1
Hysteria, together with Neurasthenia ..... 1
Tic

## Treatment.

The treatment had to be limited mainly to the following measures: suggestive procedures, and advice concerning the mode of life. By means of these it has been possible to do a considerable amount of gocd, more than I personally should have anticipated. The facilities for examination and treatment of the patients are exceeclingly primitive; there is no quiet room, not even an examination couch, and the work is necessarily of the roughest description. There is no doubt that were these facilities improved, as urgently needs to be done, very much more help could be given to a class of patients that suffer perhaps more than any other, and for whom at present no adequate treatment exists in this city.

None of the patients treated at the Clinic has so far been admitted to the asylum; I should not like to claim, however, that none will be in the future. Only one of the patients had previously been in the Toronto Asylum, and I am of the opinion that much good could be done by combining the service with the after care of patients on probation. It would be a great advantage if many such patients were requested to attend for as long as may be thought necessary at the Clinic, so that advice may be given as to the regulation of their life, and early evidences detected of any indication of a relapse.

## A CASE OF MILD PARANOIA TERMINATING IN PRACTICAL RECOVERY.

By F. S. Vrooman, M.B.,<br>Assistant Physician, Hospital for Insane, Mimico.

Krepelin has defined paranoia as a condition in which we find a gradual development and systematization of delusions with full preservation of clearness and generally without hallucinations, a condition which is, moreover, chronic and in which, however, other mental symptoms and dementia do not occur. However, he has later made the assertion that even cases with genuine chronic paranoia, or at least those of paranoia querulous, are capable of cure or at any rate of decided amelioration. In these cases the affect gradually diminishes and fades away. Nevertheless, it is the common experience of those who have opportunity for observing cases of insanity that most of those of the paranoid type and of dementia præcox paranoides run a chronic course with little tendency towards recovery.

Several observers have during the last few years called attention to the fact that a certain small percentage of cases of paranoia of a mild type terminate in practical recovery in a reasonably short time, running a course of from a few weeks to two years. These mild cases are more likely to be treated by a general practitioner or consulting physician than by the staff phyricians of the hospitals for insane, who seldom see the very insipient stages of mental disease. As the symptoms of the type under discussion are not severe and duration of the disease comparatively short, such seldom are treated in our institutions. There has been one patient of this type come to my observation. He would probably have not reached our wards had it not been that the domestic circumstances of the family were rather unusual and he could not be cared for by his friends.

The following is an account of a patient admitted to the Hospital for Insane, London, on August 14th, 1909.

He came to us with the following history:
He was said to have been insane at intervals for about one month. During this time he had unjust suspicions of the morality of his daughter. He made various accusations against her based on circumstantial evidence of a very trivial nature. He had the delusion that there were men in the house, and went about searching for them, looking even in the cellar and clothes closets. His daughter said, moreover, that his character had changed completely in a short time. His demeanour was one of suspicion, extreme irritability and passion.

The family history was negative. It may be mentioned here that his wife had been a patient in our hospital for some five years previous to the admission of her husband.

The following is the patient's narrative:
He was born in Canada and lived here all his life. There was nothing unusual during his childhood, and his progress at school was average.

When thirteen years of age he went to work in the confectionery business and remained at this occupation
for five years and one-half. Leaving this he took up the occupation of moulder, and has followed it ever since. During the last twenty years he has been with the same employer and made good wages as a trusted workman. He has been very moderate in his use of alcohol, but seldom taking more than a couple of glasses during the week. There is no history of specific or venereal disease. He married when about twenty-one years of age, and has one child, a girl, twenty years old.

Since the mental illness of his wife he had not been keeping house, but he and his daughter were boarding, each in a different place. About one month previous to the present attack he bought a house, making a payment and undertaking a mortgage to the extent of $\$ 900$. He and his daughter began housekeeping together. All went smoothly at first, and they were very happy in their new home, but he felt the responsibility of his undertaking, and this caused him some worry and anxiety, and, contrary to his usual habit, he became restless and sleepless at night and did not get along as well as usual with his work at the factory. Nothing definite occurred until one evening he and his daughter had been out together making a little visit, and when they returned home his daughter went around to the back door to get the milk which had been left there by the milkman, while he went through the front of the house to open the door on the inside for her. When he attempted to open the door she held it, and he says that this was a very suspicious action. He did not speak about it at the time. One evening shortly afterwards, when his daughter and sister-in-law were sitting on the porch with the patient, there were a number of cats playing at the door-step. The daughter said that she did not understand how these cats got into the house every night. This statement incensed the patient very much, as he said that she went to the door and called them in each evening. About the same time he picked up a book and found in it a note from a young
man asking his daughter to meet him at noon the next day. He watched her, and she went 1 , won town at the appointed time, presumably on anothor errand. The patient felt that this was a very sly and underhand procedure, and that she was deceiving him. He objected to this young man, not that he had anything against him in particular, but that he disliked him in general. A few days later the same young man called for his daughter to go on an excursion, and said that "the girls" were very anxious that she should come down and play the piano for them. He did not believe this story. He thought that if the girls wanted her they would have come up for her. The feeling between him and his daughter was not what it should have been. One night he heard a noise in the house and his idea was that some man had come to see his daughter. He thought that this man was in bed with her, and he could not sleep on this account. He went into her room twice in the night and got into bed with her and stayed awhile. He said that he had no bad thoughts and there was nothing wrong about it, biit that he merely meant to guard her. During this time he was working, but his work became rather unsatisfactory. These actions frightened his relatives, and he was transferred to our hospital. Although he did not gain much in weight, his colour and $\xi$ nneral tone rapidly improved, and he soon began to sleep well. His irritability disappeared and his delusions became less prominent. After about a month's treatment he was taken on probation by friends. He was not convinced that he had been entirely mistaken regarding his suspicions, but, as he put it, "was willing to start afresh and let bygones be bygones." Since that time there has been no recurrence of symptoms, and he has now been living happily with his family for or ar one year and is working steadily and successfully at his old employment. Although in this case the delusions did not completely disappear, and although the patient did not gain clear insight, he made practical recovery, being able to take his place in life as bcfore.

Doctor M. Friedmann, in a paper on " Mild Cases of Paranoia," cites several examples with histories more or less similar to this which resulted in practical but not theoretical recovery. He states that an endogenous paranoia is curable when the disease is a reaction to a definite cause or if there developes only a single and fixed or over valued idea. The lelusions in the case under cliscussion concerned only the daughter of the patient, and he had no false ideas on any subject which did not concern her. His suspicions and delusions found origin in actual circumstances which, though slight, might give rise to doubts in the mind of an individual of very suspicious makeup.

In diagnosing these mild forms of paranoia from those of manic depressive insanity simulating paranoid disease Friedmann lays considerable emphasis on the fact that in true paranoid cases the delusions develop from within or are, as he expresses it, endogenous. According to his definition, endogenous delusions are, one might say, an exaggeration of the normal mental characteristic of the patient, a contmuity of the personality of normal days. The delusion formation can be deduced directly from a fundamental anomoly of character and the intellectual constitution of the patient. Continuity of thought, clear connection with reality and intact logic are characteristic of the endogenous form. There is also present emotional and suggestive clouding of judgment. These endogenous delusions are generally within the realm of possibility, although perhaps highly improbable.

In the exogenous type of paranoid delusional formation the delusions are totally foreign to the normal state of mind of the patient, are absurd, have no foundation, no system and lack all connection with real facts. They are impulsive and not the result of logic elaboration.

The delusional formation in cases of manic depressive insanity with paranoid ideas is of the latter type. These cases are of course curable, complete insight resulting.

In the case of G. J., he delusion formation was undoubtedly of the endogenous type. but unfortunately the history as to the previous life is rather scanty, and I have been unable to establish definitely any pre-existing anomoly of character.

In some few cases, however, where the history of the early life is complete it is not very difficult to trace more or less clearly the delusion formation developing from a normally suspicious makeup. Contrary to what would be expected, I personally have been abe to do ti.is most easily in cases of dementia præcox paranoides.

To quote Friedmann again: " We have three forms of endogenous delusion formation."
(I) The delusion formation once started progresses slowly but irresistibly and the affect does not again become calmed down (genuine chronic paranoia).
(2) The delusions remain confined to the conflict, but they fade again and the affect disappears within the space of a few years.
(3) We have nothing more than clouding of judgment of a simple kind ard the ideas of reference are few or entirely wanting, conditions which for the most part run an episodic course.

The case cited seems to come under the second heading, and goes to substantiate the statement that an endogenous paranoia may be curable wien the disease is a reaction to a definite cause and when there developes only a single and fixed or overvalued idea.

## DIET AND DYSFEPSIA.

With a few words about the meat ration in public institutions.

By Alexander Joinston,<br>General Secretary National Conference of Charities and Correction, Fort Wayne, Indiara.

(Contributed by Special Request.)
Wien I was in charge of a large institution, a friend of mine who had been visiting several hospitals for the insane said to me one day, "How is it that so many of the employees of large itistitutions are dyspeptic?" My answer was, "Chiefly because of the dire monotony of institution dietaries, and the indifferent :ooking and serving of a great deal of very good fond"

I think everybody who has attempted to compile dietary tables, either for inmates or employees of institutions, has been confronted with the difficulties alluded to. Of course the varipty of food is inevitably somewhat limited, but as a matter of fact the limits are not nearly so rigid as it is sometimes made to appear. In our favoured clime, and with an institution having a large garcen and farm, we ought to have a very satisfactory range of food products; while methods of cooking, if properly studied, can give us a great variety of dishes, even if the variety of foodstuffs is limited. What is necessary is earnest, interested thought on the part of someone outside of the kitchen, who will prepare a new bill of fare once a week, instead of allowing a bill, which is excellent for one week, to be repeated week after week, sometimes for a whole year.

At the Toledo Hospital for Insane, in Ohio, when Dr. Tobey was the Superintendent, his wife, Mrs. Tobey (who was not on the payroll), used to prepare neiw bills
of fare for the different dining-rooms every week. These bills were not displayed until the day they were due. Until Tuesday at noon, for instance, no one knew what was for Tuesday's dinner, except the steward and the cooks. The adoption of this plan did away with much of the accustomed grumbling about food.

Individual preferences cannot be consulted in the bill of fare for an institution, as they can be, and are, for a first-class hotel. Practically everybody must eat some of all that is put upon the table at every meal. Now, certain dishes which are very good and nutritious, and may be relished by the majority, will displease some individual. Yet that individual must eat what is provided, or go hungry. Hence, he eats withrut a relish and loses the great benefit of enjoyment of food as an aid to its digestion. When such a person knows that the dish he dislikes will be served at a certain meal on a certain day, he not only resents the fact at the time of the meal and for a few hours afterwards, but possibly looks forward to it with resentment for a half-day or so beforehand. When, on the other hand, no one except the steward and cooks knows what is to be served until he comes to the table, the grouch lasts for a shorter time, with !ess injury to his digestion.

The student of dietetics knows that food must be varied in composition, and a due proportion of proteids, phosphates and carbohydrates must be preserved. When we are feeding cattle it is very easy to compose a balanced ration, and make sure that the cows have just the food elements they need, whether for milk production or for fatecning. The balanced ration for human beings is just as important, but it is much more difficult to compose satisfactorily, because it is much more difficult to induce people to eat the right proportion of the different foods set before them. The articles of food which are richest in proteids are among the most costly; beef, for proteid conient and popularity, being the easiest to use. Beans, still richer in protein than meat, are usually acceptable,
but their use must be restricted for digestive reasons. Codfish, ciried, the cheapest source of protein, is in some parts of the country very unpopular. The balance of the ration must be not merely in the food put on the tables, but on that actually eaten and digested.

In institution cooking we are compelled to use stews and hashes to a much larger extent than in ordinary domestic life. I have known cooks who could make one very palatable stew, flavouring it so as to be appetizing, and getting it up so as to present an attractive appearance. But some of these excellent cooks could only make one stezv, and the consequence was that after five or six -or fifty or sixty repetitions, everybody wished that cook in Jericho and the stew with him. It is, however, comparatively easy to put stew upon the table four or five times a week, each dish being quite distinct from every other in flavour, odour and appearance, while the main elements remain the same. Taire for example, first, plain good old-fashioned Jrish siew made of meat, onicns and potatoes, with no other vegetables allowe! in it ; then replace the potatoes with rice and acid tomatoes, slightly increasing the proportion of onions and pepper. and you have an excellent Spanish stew, equally nutritious, but entirely different in flavour. Again leaving out the potatoes, use flour for thickening, put in some pickle vinegar and chopped up pickles and add carrots and turnips, and you have a Hungarian goulash which is again quite different both in appearance and in taste, and so on with other combinations which take no more work, and cost no more money, but simply require the exercise of brains.

A very popular breakfast dish consists of pancakes an. 1 syrup. How to cook pancakes so as to have them hot for breakfast for 450 boys and girls in two large dining rooms seemed an impossible problem. Yet with a large restaurant griddle plate, heated by gas and with room on it for 24 fair sized caker at the same time, thion dividing the serving so as to furnish cakes for breakfast
for the boys on one day, and the girls on another, the matter was made comparatively simple.
I once found an employees' dining room in a large institution where they had had beefsteak for breakfast 364 days in the year for four years. The only variety was on Easter Sunday of each year when they were given boiled eggs. In the same dining room pasty, unpalatable rolled oats was served every day and mostly wasted. The only redeeming feature about the breakfasts was that every second or third day there were hot biscuits, and that there was usually some stewed dried fruit on the table. When they began to get eggs and bacon, fried sausages, griddle cakes, fried liver and bacon, broiled ham, fish once a week, and other such varieties (which never cost more than the beefsteak and many of the items cost less) the call to breakfast took on a new attraction; and when the fruit season came in and there were either fresh strawberries or fresh blackberries, or melons, or grapes, then the attraction was still greater. I have sometimes wondered whether it would not be feasible in an institution to put the meals, for the employees at any rate, on the European plan. Allow each person so much per meal, and charge each item, giving a good variety of choice each day. However, we are still a long way from such a la carte service.

One of the things that often comes up in dietary scales is the proportion of meat that shall be used. It is easily possible to be very extravagant in this respect. An interesting incident occurred in a large institution for defectives some years ago. The Superintendent was giving a large amount of personal attention to the bills of fare, and he had reduced the amount of meat to what he believed to be a reasonable minimum. One day he received a letter from the Secretary of the State Board of Charities enclosing a table showing the amount of meat, per capita, by weight and cost, used in the thirteen institutions of the State. One of the hospitals for the insanc headed the list with 19 ounces per diem per
capita. His own school for feeble minded was at the bottom of the list with seven ounces (the United States Army ration is 16 ounces of beef, or 12 ounces of pork per day per man). There was no criticism expressed by the Secretary, but the Superintendent was asked his opinion on these different amounts.

The Superintendent answered the letter by first giving a table of the changes in weight, during the year, of all, children and adults, in his care compiled from the monthly weighings. This showed a satisfactory gain for nearly all those of growing age, and a satisfactory status for the adults. He told the Secretary that in his opinion a steady increase in weight accompanied by good complexions and bright looks in children who are given plenty of outdoor exercise and unlimited access to good drinking water is a positive criterion of adequate nourishment. That he, the Secretary, knew by his visits of inspection whether the children looked well. Fe then told the Secretary that in his opinion, especially with children, the purposes of meat in an institution dietary was rather to furnish flavour than sustenance. He reminded him that many of the children in that institution were quite small, and there were many epileptics, also that the amount of milk that was being used was considerably above the average of most of the other institutions. He pointed out that to criticise an institution dietary much more than a mere knowledge of the per capita proportion of meat issued from the cold storage is necessary.

The Superintendent then went on to tell that some of the strongest and most robust races of men use very little, if any, meat; that there are a large number of people in the world who are vegetarians and still ars healthy and able-bodied. He then told him he would give him an ancient and a modern instance of vegetarian diet with the results. The modern instance occurred in Germany during the previous summer. There was a 100 mile road-race ending at Berlin in which there were 95 contestants. It happened that the first seven to arrive
at the goal were vegetarians. The ancient instance was the well known case of Hananiah, Mishael and Azariah, whom the Babylonians re-named Shadrach, Meshech and Abedinego, the three Hebrew children mentioned in the Book of Daniel, who, when they refused to eat the king's meat and drink the king's wine, preferring to be fed upon peas and beans, not only showed clearer complexions and better flesh than their carnivorous competitors, but also developed a most remarkable ability to stand fire.

That Secretary never answered the Superintendent's letter.


[^0]:    Printed by L. K. Cameros, Printer to the King's Most Excellent Majesty.

[^1]:    -Cases not properly belonging to this department and therefore referred to the General Hospital.
    Cases in which the examination could not be carried out with sufficiont detall to make a rellable diagnosis.

